मकर संक्रांति की शुभकामनाएं

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

15 जनवरी - 21 जनवरी 2025

पौष, पक्ष - कृष्ण, तिथि - द्वितीया, संवत 2081 पृष्ठ : 8+4 जयपुर, बुधवार वर्ष-10, अंक-46, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

न्यायालय परिसरों के इर्द-गिर्द वाहनों की भीड़ पर नियंत्रण कैसे?

सटीक

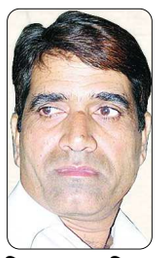

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

जिस प्रकार देश में जनसंख्या बढ़ रही है, वैसे ही हर कार्य क्षेत्र में बढ़ोतरी हो रही है। वह चाहे अच्छे काम हो या अपराधवृत्ति के काम। इस लेख के माध्यम से हम न्यायालय और यातायात वाहनों की समस्या से जयपुर और जयपुर के उपनगरीय क्षेत्रों में स्थित न्यायालय परिसरों के आसपास उत्पन्न वाहनों को खड़ा करने व यातायात की चर्चा कर रहे हैं। जयपुर में कलेक्ट्री सर्किल पर न्यायालय परिसर बने हुए हैं। इन परिसरों में सुबह से शाम तक वाहनों की भीड़ रहती है। न्यायालय परिसरों के आसपास जगह नहीं वाहनों को खड़ा करने की। वाहनों को खड़ा करना तो दूर की बात, कभी-कभी तो यहां से वाहनों का निकलना भी दूभर हो जाता है। कई बार आंदोलन और प्रदर्शनों के चलते यहां भीड़ इकट्ठी हो जाती है जिसके कारण वाहनों की बात तो दूर, पैदल भी निकलना मुश्किल हो जाता है। दूसरी तरफ जैसे जनसंख्या बढ़ती जा रही है वैसे लोगों के बीच अनेक तरह के विवाद, अपराधवृत्ति के मामले भी बढ़ रहे हैं। इनके बढ़ने से न्यायालयों में मुकदमों की संख्या भी बढ़ रही है। जिस प्रकार जन्म दर अधिक और मृत्यु दर कम है, उसी प्रकार मुकदमों में बढ़ोतरी ज्यादा और निर्णय कम हो रहे हैं। परिणामस्वरूप न्यायालयों में आने वाले लोगों की संख्या में निरन्तर बढ़ोतरी हो रही है। वहीं लोगों के पास वाहन भी बहुतायत में उपलब्ध है। इन वाहनों की आवाजाही और न्यायालयों में बढ़ती भीड़ को नियंत्रण करना भी टेढ़ी खीर है। कई बार देखा जाता है। न्यायालयों में आने वाले अपने वाहनों को यहां-वहां खड़ा करके चले जाते हैं। पीछे से वाहन स्टैण्ड वाले उस गाड़ी को उठाकर ले जाते हैं। कई बार नगर निगम वाले वाहनों को उठा ले जाते हैं। वाहन मालिक जब लौटता है तो उसका वाहन नहीं मिलता है और परेशान होता हुआ इधर-उधर पूछताछ करता है। चालान भरता है और अपने वाहन को छुड़ाता है। समस्या यह भी है कि जब जगह ही नहीं है, तो वह वाहन खड़ा कहां करे? जबकि वाहन तो खड़ा करना ही पड़ेगा। हां, अगर सरकार विचार करे तो इस समस्या का कुछ सीमा तक हल किया जा सकता है। जिस प्रकार क्षेत्रवार पुलिस थाना और पुलिस चौकियां हैं। उसी प्रकार क्षेत्र के हिसाब से थानों में एक छोटे स्तर पर मैजिस्ट्रेट का कार्यालय भी खोला जा सकता है, जिसमें छोटे-मोटे विवादों का हल वहीं हो सके। वहीं सुनवाई हो और वहीं फैसला हो जाए। ऐसा होने पर न्यायालयों के चक्कर भी नहीं काटने पड़ेंगे और वाहनों को खड़ा करने की समस्या से भी राहत मिल सकती है। shivdayalmishra@gmail.com

मकर संक्रांति पर भजनलाल, दीया कुमारी ने उड़ाई पतंग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अलग अलग शहर में यूं तो हर त्योहार बड़े धूमधाम से मनाए जाते हैं लेकिन जयपुर में ऐसे मौकों पर कुछ अलग ही नजारे देखने को मिलते हैं। आप याद होगा हर साल हजारों विदेशी सैलानी होली खेलने के लिए जयपुर आते हैं। दिवाली और तीज पर्व की धूम भी जयपुर में निराली होती है। इसी तरह जयपुर की पतंगबाजी भी देशभर में फेमस हैं। यहां के लोग तो पतंगों के इतने शौकीन है कि सुबह सूर्योदय होने से पहले से लेकर अंधेरा होने तक पतंगबाजी करते हैं। जयपुर में पतंग उत्सव भी आयोजित किए जाते हैं जहां राजनीति के बड़े चेहरे भी अपनी पतंगबाजी का शौक पूरा करते हैं।

वर्ष 2025 की पतंगबाजी भी जयपुर के लिए किसी यादगार क्षण से कम नहीं रही।

सीएम, डिप्टी सीएम, नेता, विधायकों ने भी उड़ाई पतंग

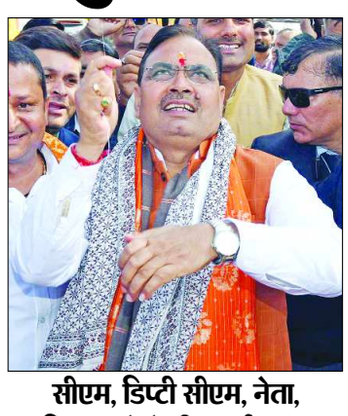

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी जयपुर में पतंगबाजी की। शहर के जलमहल की पाल पर राजस्थान पर्यटन विकास निगम की ओर से पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान सीएम भजनलाल भी महोत्सव में पहुंचे। डिप्टी सीएम दिया कुमारी और भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य भी पतंग महोत्सव में शामिल हुए। सीएम भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दिया कुमारी और विधायक बाल मुकुंद आचार्य ने भी पतंग उड़ाई। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी पतंगबाजी उत्सव में शामिल हुए। पूर्व सांसद स्वर्गीय रामदास अग्रवाल के निवास पर उनके पुत्र राजू मंगोड़ीवाला हर साल पतंग उत्सव मनाते हैं। किशनपोल बाजार स्थित सोखियों का रास्ता स्थित निवास पर मंगोड़ीवाला की ओर से इस बार भी यह पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस उत्सव में बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी शामिल हुए। विधायक रफीक खान और आमीन कागजी ने भी अपने अपने क्षेत्र में समर्थकों के साथ पतंग उड़ाई और पेच लड़ाए। सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा भी पीछे रहने वाले नेताओं में नहीं हैं।

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सांगानेर स्थित पिंजरापोल गोशाला पहुँचे। उन्होंने सपत्नीक विधिवत् मंत्रोच्चारण के साथ गौ पूजन किया एवं गायों को चारा खिलाकर गौसेवा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आमजन से मुलाकात की और बधाई भी दी।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

सशस्त्र सेना भूतपूर्व सैनिक दिवस पर राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों, अधिकारियों, वीरांगनाओं, परिजनों का किया सम्मान

"वेटरन्स डे" पूर्व सैनिकों और परिजनों के राष्ट्र समर्पण के प्रति कृतज्ञता पर्व- राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सशस्त्र सेना सम्मान दिवस "वेटरन्स डे" को पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के त्याग, बलिदान और राष्ट्र समर्पण के प्रति कृतज्ञता पर्व कहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को चाहिए कि राष्ट्र के लिए सर्वस्व अर्पित करने वाले पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के कल्याण के लिए कार्य करते उनकी सेवाओं का सम्मान करें।

बागडे मंगलवार को सशस्त्र सेना भूतपूर्व सैनिक दिवस पर सेना के सप्तशक्ती प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ फील्ड मार्शल के एम करियप्पा की सेवाओं को भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि सैनिक केवल अपने परिवार के बारे में नहीं सोचता बल्कि देश और समाज को सुरक्षित रखने की सदा चिंता करता है। उन्होंने सुप्रसिद्ध कवि माखनलाल चतुर्वेदी की "पुष्प की अभिलाषा" कविता की चर्चा करते हुए कहा कि सैनिक अपने लिए नहीं देश के लिए जीते हैं। उनका सब कुछ राष्ट्र के लिए होता है, इसलिए हमें भी उनके प्रति कृतज्ञ रहकर कार्य करने की सीख लेनी चाहिए।

भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान

इस अवसर पर राज्यपाल बागडे ने देश लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राष्ट्र को दी सेवाओं के लिए भूतपूर्व सैनिकों, अधिकारियों, वीरांगनाओं, वीर माता–पिता एवं वीरता तथा विशिष्ट पदक धारकों को सम्मानित किया।

पुष्प चक्र अर्पित कर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

आरंभ में राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों की स्मृति में पुष्प चक्र अर्पित उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने आगंतुक पुस्तिका में सैनिकों की शहादत को नमन करते हुए राष्ट्र के प्रति उनके सेवा–समर्पण, त्याग और बलिदान भाव के प्रति अपनी शब्द कृतज्ञता प्रकट की।

मुख्यमंत्री ने किया काईट फेस्टिवल का शुभारंभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अलग अलग शहर में यूं तो हर त्योहार बड़े धूमधाम से मनाए जाते हैं लेकिन जयपुर में ऐसे मौकों पर कुछ अलग ही नजारे देखने को मिलते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने भी जयपुर में पतंगबाजी की। शहर के जलमहल की पाल पर राजस्थान पर्यटन विकास निगम की ओर से पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान सीएम भजनलाल भी महोत्सव में पहुंचे। डिप्टी सीएम दिया कुमारी और भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य भी पतंग महोत्सव में शामिल हुए। सीएम भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दिया कुमारी और विधायक बाल मुकुंद आचार्य ने भी पतंग उड़ाई। इस मौके पर यहां मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी उपस्थित देशी-विदेशी पर्यटकों के अलावा कलाकारों की हौसला अफजाई की।

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?
देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...
Kabira®
Healthy Growth
Yellow Mustard Oil
Natural Immunity Booster
FORTIFIED
100% VEG.
COLD PRESSED
KOSHER
Approved by :
WHO GMP
one of the OLDEST OIL known to HUMAN
स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।
► प्राचीन शीतल विधी घाणी से निर्मित।
► निर्माण विधी उच्च ताप रहित ।
► निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
► केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
► मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
► एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
► रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
► केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित ।
► मोटापा घटाने में लाभदायक ।
► बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
► ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
► तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
► अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
► सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
► छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।
Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमूखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

For Arward Details : Contact 98290-50738
To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
★ In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित
जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886
सम्पर्क करें
विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com
समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना

देश-दुनिया के लिए उत्तर प्रदेश और भारत को जानने का यह बेहतरीन अवसर है। इस भव्य और दिव्य आयोजन में भारत की आध्यत्मिक विरासत को संतों के माध्यम से जानने और देखने का अद्भुत अवसर भी मिलेगा।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

144 वर्ष बाद शुभ मुहूर्त में हो रहा आयोजन

महाकुंभ प्रारम्भ

45 दिनों तक चलेगा आस्था का महापर्व, पौष पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सनातन का सबसे बड़ा जमावड़ा सोमवार से शुरू हो गया। तड़के ही तमाम साधु-संन्यासियों और श्रद्धालुओं ने पौ फटने के साथ ही संगम की पवित्र धारा में डुबकी लगाई और पौष पूर्णिमा का स्नान शुरू हो गया।

45 दिन तक चलने वाले इस धार्मिक-आध्यात्मिक उत्सव के लिए साधु-संत और बड़ी संख्या में कल्पवासी व श्रद्धालु भी यहां पहुंच चुके हैं। तंबुओं का शहर आबाद हो चुका है। इस महाआयोजन को लेकर केंद्र और प्रदेश की सरकार ने बड़े पैमाने पर तैयारियां की हैं। महाकुंभ को सरकार ने धार्मिक के साथ ही आर्थिक आयोजन के रूप में भी पहचान दिलाने की तैयारी में हैं। अनुमान है कि पूरे महाकुंभ के दौरान करीब 40 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाएंगे। श्रद्धालुओं के प्रयागराज पहुंचाने और उन्हें वापस लाने के लिए रोडवेज, रेलवे और नागर विमानन मंत्रालय ने अतिरिक्त सेवाएं शुरू की हैं। रोडवेज जहां 7 हजार बसों की मदद से श्रद्धालुओं को संगम स्नान करवाएगा, वहीं रेलवे 13 हजार से अधिक ट्रेनें चला रहा है। 50 से अधिक फ्लाइटें भी देशभर से प्रयागराज को जोड़ेंगीं।

12 किलोमीटर लंबे घाट

महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं के स्नान के लिए 12 किलोमीटर लंबे घाट तैयार किए गए हैं। इन घाटों पर चेंजिंग रूम भी होंगे। ऐसी व्यवस्था की गई है कि जिस दिशा से श्रद्धालु स्नान के लिए आएं, उसी दिशा में स्थित घाटों पर स्नान कर वापस भी चले जाएं। अपने वाहनों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मेले और शहर में 102 पार्किंग बनाई गई हैं, जिनमें करीब साढ़े पांच लाख वाहन पार्क किए जा सकेंगे। मेले के करीब बनाई गईं सैटेलाइट पार्किंग में श्रद्धालुओं को सभी मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी। इस बार सभी 6 स्नान पर्वों और सभी 44 घाटों पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी करेंगे।

एक करोड़ श्रद्धालुओं की जिम्मेदारी रेलवे पर

महाकुंभ के 45 दिनों के दौरान उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे ने मिलकर 45 दिनों में कुल 13,234 ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है। इनमें 1800 छोटी दूरी, 700 लंबी दूरी और 560 रिंग रेल सेवाएं शामिल हैं। रेलवे इस महाकुंभ में पहली बार रिंग रेल भी चलाने जा रहा है। इसमें बैठकर श्रद्धालु प्रयागराज से चित्रकूट, बनारस, और अयोध्या की यात्रा कर सकते हैं। रेलवे का अनुमान है कि करीब एक करोड़ श्रद्धालु ट्रेनों से प्रयागराज पहुंचेगे। रेलवे ने मोबाइल टिकटिंग सिस्टम और रेलकर्मियों की जैकेट को स्कैन कर टिकट हासिल करने की व्यवस्था भी की है। पहली बार 15 दिन पहले अनारक्षित टिकट बुक करने की सुविधा दी गई है। रेलवे ने 18 हजार से अधिक अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी (आरपीएफ-जीआरपी) तैनात किए हैं।

डिजिटल खोया-पाया केंद्र, वॉलंटियर भी तैनात

कुंभ नगर में मेला प्रशासन की ओर से 10 डिजिटल खोया-पाया केंद्र बनाए गए हैं। इसके अलावा शिकायत या सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 1920 जारी किया गया है। कुंभ सिटी में एआई कैमरे की मदद से क्राउड मैनेजमेंट होगा। यह कैमरा चेहरों की भी पहचान करेगा। मुसीबत में कोई भी व्यक्ति हेल्पलाइन नंबर 1920 पर कॉल कर सकते हैं। साथ ही, मेला क्षेत्र में तैनात वॉलंटियर और पुलिसकर्मियों की मदद ले सकते हैं। वह गुम हुए व्यक्ति को खोया-पाया केंद्र तक पहुंचा देंगे। खोया-पाया केंद्र पर अनाउंसमेंट करने की भी सुविधा दी गई है।

₹2000/दिन से शुरू हैं टेंट

श्रद्धालुओं के लिए संगम के पास टेंट सिटी बनाई गई है, जहां लगभग 25,000 टेंट लगाए गए हैं। इनका किराया 2000 रुपये प्रतिदिन से लेकर 20,000 रुपये तक है। कुल करीब डेढ़ लाख टेंट श्रद्धालुओं के लिए बनाए गए हैं। इसके साथ-साथ प्रयागराज के 150 से अधिक होटलों में भी ठहरने का इंतजाम किया गया है। धर्मशाला और होम स्टे की भी सुविधा है।

1.50 लाख टॉइलट, 500 शटल बसें

महाकुंभ मेले में बिजली व्यवस्था के लिए 70 हजार विद्युत पोल लगाए गए हैं। इसके अलावा मेला क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिए डेढ़ लाख टॉइलट बनाए गए हैं। श्रद्धालुओं के लिए 500 से अधिक शटल बसें और 300 इलेक्ट्रिक बसें भी उपलब्ध करवाई गई हैं।

100 बेड का सेंट्रल हॉस्पिटल

मेले में परेड पर 100 बेड एक बड़ा केंद्रीय अस्पताल बनाया गया है। इसी तरह 25-25 बेड के दो, 20-20 बेड के चार व 60 बेड के बर्न यूनिट सहित प्रयागराज शहर के निजी एवं सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त बेडों की उपलब्धता की जा चुकी है। मेले में एक निजी संस्था पीपीएम अस्पताल ने भी 50 बेड श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध करवाए हैं। पांटून ब्रिज की संख्या को बढ़ाकर 30 की गई है। समूचे मेला क्षेत्र में लगभग 635 किलोमीटर के दायरे में चेकर्ड प्लेट बिछाई गई है। पेयजल के लिए 503 किलोमीटर की पाइलाइन बिछाई गई है। 626 साइनेज, 200 किमी ड्रेनेज निकासी लाइन, 54700 स्ट्रीट लाइट, 173 किमी एचटी लाइन, 1310 किमी एलटी लाइन, 227 बिजली सब स्टेशन की स्थापना की गई है।

4000 हेक्टेअर में फैला है कुंभनगर

25 सेक्टर में बांटी गई है कुंभ सिटी

26 फरवरी तक चलेगा दिव्य मेला

44 घाटों पर प्रमुख स्नानों के दौरान हेलिकॉप्टर से होगी पुष्प वर्षा

3000 स्पेशल ट्रेनें संगमनगरी पहुंचा रही हैं श्रद्धालुओं को

7000 बसें चलवाई हैं रोडवेज ने

12 किलोमीटर लंबे घाटों पर होगा स्नान

102 पार्किंग हैं, 5.5 लाख गाड़ियां खड़ी हो सकती हैं

1.50 लाख से अधिक टेंट हैं श्रद्धालुओं के लिए

12 से अधिक सुरक्षा एजेंसियां तैनात

05 अस्थायी डाकघर भी हैं

18 हजार सुरक्षा कर्मियों की अतिरिक्त फोर्स तैनात की रेलवे ने

प्रमुख स्नान

13 जनवरी
पौष पूर्णिमा

12 फरवरी
माघ पूर्णिमा

26 फरवरी
महाशिवरात्रि

अमृत स्नान

14 जनवरी
मकर संक्रांति

29 जनवरी
मौनी अमावस्या

3 फरवरी
वसंत पंचमी

मुख्य मेला 13 जनवरी से 12 फरवरी तक चलेगा। अखाड़े वसंत पंचमी के स्नान के बाद ही विदा होने लगते हैं। महाशिवरात्रि का स्नान अखाड़े वाराणसी में करते हैं। मेले में 12 फरवरी के बाद ज्यादातर सामान्य श्रद्धालु ही स्नान करते हैं।

13 फरवरी तक आस्था का 'माह'

संगम की रेती पर बसी कल्पवासियों की दुनिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

ट्रैक्टर-जीप व अन्य वाहनों में ठसाठस सामान और उनके बीच दुबककर बैठे लोग। भले ही सैकड़ों किमी का सफर कष्ट सहते हुए तय किया हो पर संगम की रेती तक पहुंचते-पहुंचते चेहरे श्रद्धा भाव से चमकने लगे। चमक इस बात की कि अब वे एक महीने संगम किनारे रहकर आध्यात्मिक ऊर्जा आत्मसात करेंगे। साधु-संतों का संग मिलेगा, संगम स्नान का मौका और नियंत्रित जीवनचर्या। हम बात कर रहे हैं कल्पवासियों की, जिन्हें महाकुंभ की 'धड़कन' भी कह सकते हैं। सोमवार को पहले स्नान तक रंग-बिरंगे टेंटों वाली कल्पवासियों की दुनिया बस चुकी है। रविवार को शुरू हुआ कल्पवास 13 फरवरी तक चलेगा।

ऐसे करते हैं कल्पवास : ऐसा माना जाता है कि सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के साथ शुरू होने वाले माह की शुरुआत से अंत तक कल्पवास करने से एक कल्प (ब्रह्मा का एक दिन) का पुण्य मिलता है। वैसे तो उम्र की बाध्यता नहीं है, लेकिन माना जाता है कि सांसारिक जिम्मेदारियां पूरी करने बाद कल्पवास करना चाहिए। वजह यह कि जिम्मेदारियों से जकड़े व्यक्ति के लिए आत्मनियंत्रण थोड़ा कठिन माना जाता है। कल्पवास की शुरुआत हर वर्ष सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के साथ पौष पूर्णिमा से होती है और यह माघ पूर्णिमा के साथ संपन्न होता है। कल्पवासी को जमीन पर सोना होता है। फलाहार, एक समय का आहार या निराहार रहने का भी प्रावधान है। कल्पवास करने वाले व्यक्ति को नियमपूर्वक तीन समय गंगा स्नान और यथासंभव भजन-कीर्तन, प्रभु चर्चा और प्रभु लीला के दर्शन करने चाहिए। कल्पवास की शुरुआत करने के बाद इसे 12 वर्षों तक जारी रखने की परंपरा है।

स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन भी आएंगी

एपल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी और दुनिया की सबसे धनी महिलाओं में शामिल लॉरेन पॉवेल जॉब्स भी महाकुंभ में आएंगी। वह निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद के शिविर में रुकेंगी। उनका संगम की रेती पर कल्पवास का भी कार्यक्रम है।

धर्म संसद में सनातन बोर्ड के गठन का प्रस्ताव भी आएगा

महाकुंभ में पीओके की मुक्ति का यज्ञ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

लखनऊ : संगम तीरे लगा द्वादशवर्षीय महाकुंभ न केवल धार्मिक स्नान और जुटान के लिए जाना जाएगा, बल्कि इस दौरान पीओके मुक्ति से लेकर सनातन बोर्ड के गठन तक की बात भी होगी। सरकार का दावा है कि इस बार पूरे महाकुंभ के दौरान तकरीबन 45 करोड़ श्रद्धालु पहुंचेंगे।

तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के शिविर में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को मुक्त करवाने के लिए अनुष्ठान की तैयारी है। शिविर का मुख्य द्वार अयोध्या के श्रीराम मंदिर के मुख्य द्वार की तर्ज पर बनाया गया है। शिविर में 250 हवन कुंड बनाए गए हैं। बताया जा रहा है कि शिविर के भव्य निर्माण के लिए कोलकाता से कारीगर आए थे। महाकुंभ मेले के दौरान 1008 बार यज्ञ होगा। इसमें पीओके की मुक्ति के लिए आहुतियां डाली जाएंगी।

स्वामी रामभद्राचार्य पहले ही पीओके के भारत में शामिल किए जाने के पक्षधर रहे हैं। वह कई बार इसकी खुले मंच से घोषणा भी कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि पीओके जल्द ही भारत के हिस्से में आएगा। पीओके से पाकिस्तान का कब्जा खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा था कि वह दिन दूर नहीं जब दुनिया के नक्शे से पाकिस्तान का अस्तित्व भी खत्म हो जाएगा। स्वामी रामभद्राचार्य के शिविर में केवल पीओके के लिए यज्ञ ही नहीं होगा बल्कि वह राम कथा भी सुनाएंगे। अन्य धार्मिक आयोजन उनके शिविर में होंगे।

मथुरा पर भी हो सकती है बात

महाकुंभ के दौरान 27 जनवरी को धर्म संसद आयोजित करवाने की भी तैयारी है, इसमें सनातन बोर्ड के गठन का प्रस्ताव पास करवाकर सरकार को भेजा जाएगा। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी बताते हैं कि चारों पीठों के शंकराचार्य, 13 अखाड़ों के प्रमुख, साधु-संत, महामंडलेश्वर और मठ-मंदिरों के प्रमुखों से सनातन बोर्ड के प्रारूप को लेकर चर्चा होगी। सबकी सहमति से इसे पास करवाया जाएगा। हम चाहते हैं कि मंदिरों पर न तो सरकार का कब्जा हो और न ही कोई अन्य करे। धर्म संसद में अन्य तमाम बिंदुओं पर भी चर्चा होगी। विषयों की रूपरेखा अभी तय की जा रही है। सूत्र बताते हैं कि अयोध्या के बाद काशी और मथुरा को लेकर भी धर्म संसद में बात हो सकती है।

जागरूक खबरें

अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त मृतक कर्मचारियों के आश्रितों की कम्प्यूटर टंकण परीक्षा 17 को

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर जिले में कार्यरत मृतक राज्य कर्मचारियों के आश्रितों की नियुक्ति के पश्चात ली जाने वाली कंप्यूटर टंकण गति परीक्षा दिनांक 17 जनवरी को EvaluIT Digital, प्रथम तल, 103, रोड नंबर 7, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर में आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि दिनांक 9 जनवरी 2025 को उक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र पंजीकृत डाक से जारी किये जा चुके हैं। जिन परीक्षार्थियों को दिनांक 15 जनवरी, 2025 तक प्रवेश पत्र प्राप्त नहीं हुए हों तो, वे दिनांक 16 जनवरी, 2025 को शाम 4 बजे तक जिला कलक्टर जयपुर के कमरा नंबर-149 में संस्थापन अधिकारी कक्ष से प्रवेश पत्र की प्रति प्राप्त कर सकते हैं।

मिनरल एक्सप्लोरेशन और वोल्यूमेट्रिक असेसमेंट क्षेत्र के विशेषज्ञ 16 को जयपुर में जुटेंगे

जयपुर @ जागरूक जनता। देश व प्रदेश के मिनरल एक्सप्लोरेशन विशेषज्ञ और वाल्यूमेट्रिक आकलन में ड्रोन सर्वे तकनीक विशेषज्ञ 16 जनवरी को जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में जुटेंगे। प्रमुख शासन सचिव माइंस, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया कि प्रदेश में इस तरह का यह पहला व सकारात्मक प्रयास होगा जिसका सीधा लाभ प्रदेश के माइनिंग सेक्टर के साथ ही इस सेक्टर से जुड़े स्टेक होल्डर्स को भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में केन्द्र व राज्य के सरकारी, सरकारी उपक्रमों के साथ ही निजी क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

डॉ बलराज सिंह को मिला मानद उपाधि सम्मान

जोबनेर @ जागरूक जनता। राजस्थान में श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विवि, जोबनेर के कुलपति और संरक्षित खेती के क्षेत्र में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक डॉ बलराज सिंह को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने डॉक्टर ऑफ साइंस (मानद) उपाधि से सम्मानित किया है। यह सम्मान विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी जयपुर के आठवें दीक्षांत समारोह में दिया गया। डॉ बलराज एसकेएन कृषि विवि, जोबनेर में कुलपति के पद पर कार्यरत हैं।

नई दिल्ली में मुख्यमंत्री की केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात

राज्य में विकास और जन कल्याणकारी परियोजना पर हुई विस्तृत चर्चा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीते दिनों नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर राजस्थान में विकास और जनकल्याणकारी परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह को राजस्थान सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों, जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं भावी परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की तथा प्रदेश के विकास के लिए उनका ओजस्वी मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भी शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राजस्थान में विकास कार्यों, ऊर्जा क्षेत्र में नवीन संभावनाओं, आवासीय परियोजनाओं एवं शहरी विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री सीतारमण से राजस्थान में विकास परियोजनाओं, राज्य के सम्बन्ध में वित्तीय सुधारों एवं केंद्रीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर सार्थक चर्चा की।

उधर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा की केंद्रीय मंत्री शेखावत के साथ राजस्थान में पर्यटन विकास, सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण, कला एवं संस्कृति के प्रोत्साहन तथा पर्यटन अवसंरचना के विकास पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

आठ जिलों के 160 मिट्टी कामगारों को मिलेंगे विद्युत चालित चाक, श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष ने लॉटरी से किया चयन

मुख्यमंत्री के विजन को पूरा करने में जुटा माटी कला बोर्ड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन को पूरा करने में श्रीयादे माटी कला बोर्ड पूरा शिद्दत से जुटा है। बजट घोषणा वर्ष 2024-2025 में प्रदेश भर के 1000 मिटी कामगारों को विद्युत चालित चाक व पगमिल (मिट्टी गूथने की मशीन) आवंटन के लिए बोर्ड ने प्रदेश के आठ और जिलों के 160 मिट्टी कामगारों का लॉटरी के माध्यम से चयन किया। उधोग भवन के सभागार में बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने सवाईमाधोपुर, भरतपुर, धौलपुर, दौसा, टोंक, बूंदी, कोटा व बारां जिलों से आए जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में इन जिलों की लॉटरी निकाली।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक जिले में 20-20 लोगों का चयन किया गया है। टाक ने बताया कि चयनित कामगारों को 10 दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। टाक ने बताया कि पहले फेज में प्रदेश के 25 जिलों के 500 मिट्टी कामगारों का लॉटरी से चयन कर उन्हें प्रशिक्षण उपरांत विद्युत चालित चाक व पगमिल का वितरण किया जाएगा। अब तक कुल 9 जिलों के 180 मिट्टी कामगारों का चयन कर लिया गया है। शेष 16 जिलों के 320 मिट्टी कामगारों का चयन भी 20 जनवरी से पूर्व कर लिया जाएगा।

टाक ने बताया कि 31 जनवरी से पहले समस्त 500 मिट्टी कामगारों को प्रशिक्षित करके उन्हें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन को साकार करते हुए स्वावलंबी बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर के समस्त जिलों से कुल 13 हजार लोगों ने आवेदन किया है। बजट वर्ष 2024-2025 में राज्य सरकार ने 1000 मिट्टी कामगारों का लाभांवित करने का लक्ष्य रखा है) जिसे चालू वितीय वर्ष में पूरा कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न कृषि उपज मंडियों में 6 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों को दी मंजूरी

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषकों की आय में वृद्धि कर उनके जीवन को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार ने गत एक वर्ष में कृषक हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इन फैसलों में किसान सम्मान निधि में वृद्धि, गेंहू के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी, बड़ी संख्या में नए कृषि कनेक्शन तथा किसानों को बिजली के बिलों में अनुदान सहित कई फैसले शामिल हैं। साथ ही, कृषि उत्पादों के प्रभावी विपणन हेतु मंडियों का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण भी किया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की विभिन्न कृषि उपज मंडियों में 6 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों को मंजूरी दी है। इनमें कृषि उपज मंडी समिति सीकर की विशिष्ट प्याज गौण मंडी यार्ड रसीदपुरा में 74 लाख रुपये के नवीन निर्माण कार्य, कृषि उपज मंडी समिति (विशिष्ट श्रेणी) बूंदी के अंतर्गत नवीन मंडी प्रांगण कुंवारती में 2.58 करोड़ रुपये से अधिक के विद्युत व निर्माण कार्य, कृषि उपज मंडी समिति पीपाड़ शहर, जोधपुर के गौण मंडी यार्ड आसोप में 90.86 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड़ निर्माण एवं सोलर स्ट्रीट लाइट के कार्य तथा कृषि उपज मंडी समिति नगर, डीग के अंतर्गत मुख्य मंडी यार्ड में 1.76 करोड़ से अधिक की लागत से डोम निर्माण कार्य शामिल हैं।

राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त परीक्षा समिति की बैठक

प्रश्नपत्रों की सुरक्षा व्यवस्था हो पुख्ता-दिलावर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षा आगामी 6 मार्च से प्रारम्भ होनी है। उक्त परीक्षाओं के सफल आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त परीक्षा समिति की बैठक सोमवार को सचिवालय में आयोजित हुई। साथ ही आगामी रीट परीक्षा के सफल आयोजन की तैयारियों की भी शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की। शिक्षा मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर गलत विषय के पेपर का वितरण जैसी त्रुटियों से बचे तथा विद्यार्थियों को समय पर प्रवेश के लिए पूर्व में ही निर्देश दिए जाएं। प्रश्न पत्रों के स्ट्राँग बोक्स की सुरक्षा व्यवस्था का पुलिस विभाग के अधिकारी पूर्ण रूप से ध्यान रखें। श्री दिलावर ने कहा कि सभी बोर्ड परीक्षा केन्द्रों पर पेयजल, टॉयलेट व बिजली की उचित व्यवस्था हो। शिक्षा मंत्री ने आगामी रीट परीक्षा के लिए भी आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा केन्द्र के आस–पास के अन्नपूर्णा रसोई केन्द्रों में खाने की व्यवस्था सुचारू हों। जहां बैठने की उचित व्यवस्था के साथ खाने की सामग्री में गुणवत्ता व मात्रा में कोई कमी न हो। रीट परीक्षा के पारदर्शी, निष्पक्ष तथा सफल आयोजन के लिए संदिग्ध लोगों को परीक्षा व्यवस्था से दूर रखें और उन्हें पाबन्द करें जिससे बिना किसी व्यवधान के सभी परीक्षा केन्द्रों पर सुचारू रूप से परीक्षा का आयोजन हो सकें।

राजस्व मंडल-पदोन्नति से 132 आइएलआर बने नायब तहसीलदार

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्व मंडल की ओर से आयोजित पदोन्नति समिति बैठक में राजस्थान के 132 भू अभिलेख निरीक्षकों को नायब तहसीलदार के पद पर पदोन्नत किया गया है। इनमें 102 कार्मिक गैर अनुसूचित क्षेत्र तथा अनुसूचित क्षेत्र के 30 कार्मिक शामिल हैं।

जिलास्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम कल

जयपुर @ जागरूक जनता। जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए 16 जनवरी (गुरुवार) को जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि एवं समस्त संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे।

महिला आयोग आपके द्वारः राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष ने की जनसुनवाई

आयोग महिलाओं के मायके जैसा, बेझिझक रखें अपनी बात

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। महिलाओं से जुड़ी शिकायतों की त्वरित सुनवाई सुनिश्चित कर राहत देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से प्रारंभ किए गए महिला आयोग आपके द्वार अभियान के तहत महिला आयोग की ओर से संभाग स्तरीय जनसुनवाई रखी गई। इसमें राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया के. रहाटकर ने तसल्ली से महिलाओं की परिवेदनाएं सुनी और हाथों-हाथ मौजूद अधिकारियों को त्वरित राहत देने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत, महिला आयोग के संयुक्त सचिव अशोली चलाई, जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एडीजे कुलदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल, राजसमंद एसपी सुधीर जोशी आदि भी उपस्थित रहे।

जिला परिषद सभागार में आयोजित जनसुनवाई के अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रहाटकर ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि दूरस्थ क्षेत्र की महिलाएं अपनी समस्याएं लेकर दिल्ली तक नहीं पहुंच पाती हैं, इसलिए आयोग ने उन तक पहुंचकर उनकी परिवेदनाओं को समझ कर राहत देने के लिए विशेष अभियान चलाया है। उन्होंने कहा कि आयोग महिलाओं के मायके जैसा है। महिलाएं जिस तरह से अपने मायके में जाकर अपनी पीड़ा खुलकर बता सकती हैं, ऐसे ही आयोग में भी अपनी बात बेझिझक रखें, ताकि उसके समाधान की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा सकें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लें तथा उन्हें प्राथमिकता देते हुए त्वरित राहत प्रदान करें। महिला आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहाटकर ने जनसुनवाई के दौरान आयोग में पूर्व से पंजीकृत संभाग के विभिन्न जिलों के तकरीबन 50 प्रकरणों के साथ ही जनसुनवाई में पूर्व में रजिस्टर्ड 45 प्रकरणों तथा नवीन दर्ज 50 प्रकरणों की सुनवाई की। लगभग साढ़े तीन घंटों तक चली इस सुनवाई में रहाटकर ने पूरी संवेदनशीलता के साथएक-एक प्रकरण में महिलाओं की पीड़ा को तसल्ली से सुना। अधिकांश प्रकरण पति-प%ी अथवा पारिवारिक विवादों से जुड़े हुए रहे। आयोग अध्यक्ष ने प्रकरण से जुड़ी पत्रावलियों का अवलोकन किया तथा संबंधित जांच अधिकारी से प्रगति रिपोर्ट जानी।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management
MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner AdWords Analytics Marketing Partner Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

जयपुर में जलमहल की पाल पर मकर संक्रांति पर पतंग उत्सव का भव्य आयोजन

मुख्यमंत्री शर्मा, दीया कुमारी ने किया कलाकारों का उत्साहवर्धन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर जयपुर के जल महल की पाल पर आयोजित पतंग उत्सव ने राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन को एक नया आयाम दिया। यह आयोजन न केवल पतंगबाजी का जश्न था, बल्कि पारंपरिक कला, संगीत और भोजन का अद्भुत संगम भी रहा। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी उपस्थिति में आयोजन का उद्घाटन गुब्बारे उड़ाकर किया।

पतंगबाजी का रोमांच

पतंगबाजी के रोमांच ने पूरे आयोजन को विशेष बना दिया। जल महल के आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों ने उत्सव के माहौल को जीवंत कर दिया। पतंग बनाने की पारंपरिक कला का लाइव प्रदर्शन भी किया गया, जिसने बच्चों और पर्यटकों को आकर्षित किया।

सीएम व उपमुख्यमंत्री ने पतंग उड़ाई

मुख्यमंत्री ने पतंग उड़ाकर मकर संक्रांति के उत्सव में सभी का उत्साहवर्धन किया। वहीं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने पतंग उड़ाकर उपस्थित कलाकारों और देशी विदेशी पर्यटकों के साथ पतंग उत्सव मनाया।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की उपस्थिति ने किया आकर्षित

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की उपस्थिति के साथ ही मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के कार्यक्र म में शामिल होने से देशी विदेशी पर्यटक और जयपुर राइट्स प्रसन्न दिखाई दिए। सभी के लिए यह पतंग उत्सव विशेष बन गया।

पतंग प्रदर्शनी का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पतंग प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

पतंगोत्सव को दिया जाएगा भव्य रूप

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने घोषणा की कि आने वाले वर्षों में इस उत्सव को और भव्य रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि इस तरह के आयोजन राजस्थान को वैश्विक पर्यटन के केंद्र में लाएं। उन्होंने कहा कि जयपुर का यह उत्सव राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है और देश-विदेश के पर्यटकों को यहां की समृद्धि से परिचित कराता है। जयपुर का यह पतंग उत्सव न केवल मकर संक्रांति के उत्साह को बढ़ाता है, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राज्य की परंपराओं और समृद्धि को विश्व पटल पर प्रस्तुत करने का एक अच्छा अवसर है।

लोक कलाकारों के प्रदर्शन की सराहना

आयोजन में लोक कला और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। लंगा गायन, मयूर नृत्य, कालबेलिया नृत्य और भपंग वादन जैसे पारंपरिक प्रदर्शन ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सीएम एवं उपमुख्यमंत्री ने प्रस्तुतियों की सराहना की वहीं विदेशी पर्यटक इन प्रस्तुतियों से उत्साहित नजर आये। देशी विदेशी पर्यटकों ने कला प्रदर्शन और इस पतंग उत्सव की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह अनुभव उनकी यात्रा को यादगार बना रहा है।

स्थानीय व्यंजनों का स्वाद

स्थानीय व्यंजनों ने भी उत्सव को खास बना दिया। दाल के पकौड़े, तिल के लड्डू, गजक और रेवड़ियों ने लोगों को पारंपरिक स्वाद का आनंद दिलाया।

ऊंट की सवारी: पतंग उत्सव में देशी विदेशी पर्यटकों ने ऊंट की सवारी का भी आनंद लिया। पर्यटन सचिव रवि जैन, पर्यटन आयुक्त विजयपाल सिंह, जयपुर जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी, उपनिदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत समेत कई प्रशासनिक अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

जसोलधाम में पौष शुक्ल त्रयोदशी का महापर्व

श्रद्धालुओं ने नवाया शीश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जसोल। राणी भटियाणी मंदिर संस्थान जसोल में पौष मास की शुक्ल पक्ष त्रयोदशी पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। इस पवित्र अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने मां जसोल के दरबार में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर संस्थान की ओर से राणीसा भटियाणीसा, बायोसा, सवाईसिंहजी, लाल बन्नासा, काला-गौरा भैरूजी एवं खेतलाजी के मंदिरों को रंग-बिरंगे फूलों से विशेष रूप से सजाया गया।

वैदिक मंत्रोच्चार से हुई पूजा-अर्चना

अल सवेरे विद्वान पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ समस्त मंदिरों में पूजा-अर्चना की गई। आरती के बाद हजारों श्रद्धालुओं ने कतार में खड़े रहकर दर्शन लाभ लिया। भक्तों की उमड़ी भीड़ ने इस अवसर को और अधिक भव्य बना दिया।

श्रद्धालुओं के लिए माकूल व्यवस्थाएं

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर संस्थान द्वारा बेहतरीन प्रबंध किए गए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की गई तथा श्रद्धालुओं को सुरक्षा की दृष्टि से किसी भी प्रकार की असुविधा न हो को लेकर सीसीटीवी कैमरों के साथ निगरानी की गई।

लाइव आरती से मिला घर बैठे लाभ

मंदिर संस्थान ने भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यूट्यूब, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लाइव आरती का प्रसारण किया। इससे दूर-दराज में बैठे मां जसोल के असंख्य भक्तों ने भी आरती का लाभ उठाया और मां जसोल के दर्शन किए।

भजन संध्या में गूंजे मधुर भजन

रात्रि में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय भजन गायकों ने प्रसिद्ध राणीसा भटियाणीसा, बायोसा, सवाईसिंहजी एवं लाल बन्ना सा के भजनों की सुमधुर वाणी में प्रस्तुतियां दी। जिसको सुनकर श्रद्धालु भक्ति के रंगों में रंगे नजर आए।

जसोलधाम में भक्ति और श्रद्धा का संगम

इस पावन दिवस पर जसोलधाम में भक्ति और श्रद्धा का अनोखा संगम देखने को मिला। हजारों श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था प्रकट करते हुए मां जसोल सहित मंदिर प्रांगण स्थित समस्त मंदिरों का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ और भक्तिमय माहौल ने इस अवसर को और अधिक भव्य बना दिया।

महाकुंभ प्रयागराज के पवित्र संगम पर शाही स्नान

ढोल-नगाड़ों की गूंज और बालाजी के जयकारों संग महंत डॉ. पुरी महाराज ने किया शाही स्नान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मेंहदीपुर बालाजी। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर मेहंदीपुर बालाजी के महंत डॉक्टर नरेश पुरी महाराज ने प्रयागराज के पवित्र संगम पर प्रातःकाल ढोल-नगाड़ों की गूंज और बालाजी महाराज के जयकारों के बीच शाही स्नान किया। इसमें अनेकों साधु-महात्मा, नागा साधु और भक्तों ने भी भाग लिया। महंत जी ने इस पावन दिन पर देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना की और बालाजी महाराज से प्रार्थना की कि वे सभी भक्तों पर अपनी कृपा बनाए रखें।

144 वर्ष बाद आया अद्भुत दिन

महंत डॉक्टर नरेश पुरी महाराज ने अपने भक्तों को बताया कि यह मकर संक्रांति का दिन 144 वर्षों बाद एक दुर्लभ खगोलीय संयोग लेकर आया है। इस दिन सूर्य और अन्य ग्रहों की विशेष स्थिति ने इसे अत्यंत शुभ और कल्याणकारी बना दिया। उन्होंने कहा कि इस पवित्र अवसर पर संगम में स्नान करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति और पुण्य की प्राप्ति होती है।

मेहंदीपुर बालाजी सेवा शिविर का उद्घाटन

महंत डॉक्टर नरेश पुरी महाराज ने हाल ही में 13 जनवरी 2025 को मेहंदीपुर बालाजी सेवा शिविर का उद्घाटन किया। इस शिविर में प्रतिदिन सुबह का नाश्ता और दोनों समय का भोजन प्रसादी के रूप में निशुल्क वितरित किया जा रहा है। यह शिविर बालाजी महाराज की कृपा से ज़रूरतमंदों की सहायता और समाज में भक्ति की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

दान-पुण्य, भक्ति का अनुपम उदाहरण

महंत जी ने शाही स्नान के उपरांत तिल के लड्डू, दक्षिणा और गर्म कंबलों का वितरण कर पुण्य कार्य किया। उन्होंने अपने सेवा, दान और परोपकार के महत्व को समझाते हुए भक्तों को भक्ति और सद्भावना का संदेश दिया।

सामाजिक कार्यकर्ता नरेन्द्र चौधरी व कमर सिंह मीना राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

करौली @ जागरूक जनता। बिहार के दरभंगा मेंआयोजित हुए सम्मान समारोह में करौली के कृष्णा कॉलोनी निवासी सामाजिक कार्यकर्ता नरेन्द्र चौधरी को और सोच बदलो गांव बदलो टीम से आरएसी के जवान कमर सिंह मीना कसियापुरा को मिथिला दरभंगा (बिहार)दलान रिजॉर्ट सोनकी में आयोजित 2 दिवसीय रक्तदाता प्रतिनिधि 11 व 12 जनवरी सम्मेलन में राष्ट्रीय सेवारत्न सम्मान स्वरूप राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मृदुल कुमार शुक्ला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश प्रसाद, राष्ट्रीय महासचिव दीपक कुमार महथा, कोषाध्यक्ष रंजीत श्रीवास्तव, अध्यक्ष राकेश रंजन के हाथों से स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

एटूजेड संस्थान ने मकर संक्रांति पर किया दान-पुण्य, यज्ञ

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। मकर संक्रांति पर दान-पुण्य क्रम 14 जनवरी को भी जारी रहा। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक प्रयास सामाजिक संस्थान ए टू जेड ने किया कहीं कम्बल तो कहीं तिल गुड़ की मिठाई का किया वितरण। संस्थान के डायरेक्टर मेहराम गहलोत ने बताया कि संस्था गत पिछले पांच वर्षों से मकर संक्रांति पर कम्बल, ऊनी कपड़े और मिठाई का वितरण करती आ रही हैं। संस्था का लक्ष्य समाज में जरूरतमंदों की सेवा में सदैव समर्पित रहना है। संस्थान अध्यक्ष अरविंद टाक ने बताया की गुड़, तिल और उससे बने खाद्य पदार्थों का भी वितरण त्यौहार पर संस्थान करती है। इस बार मकर संक्रांति पर पुनम साड़ी सेन्टर पीपाड़ पर नरपत राज पटेल ,शिवरतन आर्य ,चम्पालाल आर्य के निर्देशन में टीम सदस?यों द्वारा यज्ञ व वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया । इस दौरान अग्निहोत्र में समिधा दान करके विश्व कल्याण की कामना की गई। मंत्रों के माध्यम से बताया गया कि शुद्ध आहार से सात्विक शुद्धि होती है। आर्य विद्वान नरपत राज पटेल ने मकर संक्रांति का महत्व समझाते हुए बताया कि यह एक भौगोलिक घटना पर आधारित पर्व है, जिसका संबंध हमारी पृथ्वी से जुड़ा है। हमारी पृथ्वी सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है। जिस दिन हमारी पृथ्वी घूर्णन और परिक्रमण करते हुए एक राशि की यात्रा पूरी कर दूसरी राशि में प्रवेश करती है, उसे संक्रांति कहते हैं। प्राकृतिक प्रेमी शिवरतन आर्य ने बताया कि सूर्य के उतरायण में प्रवेश का विशेष महत्व है। ऋतु परिवर्तन जीवनचर्या में परिवर्तन के महत्व को बताता है। भोजन में तिल की मात्रा को बढ़ाना है। इस दौरान महिला टीम की सरोज माली, सीमा,चंचल, ममता, शीला रामकिशोर टाक, महेंद्र पटेल, विनोद टाक, रविन्द्र देवड़ा, देवाराम जाँगिड सहित कई सामाजिक संस्थान के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सशस्त्र भूतपूर्व सैनिक दिवस

पाकिस्तान 1965 से अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है-राजनाथ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जम्मू कश्मीर। 9वें सशस्त्र बल भूतपूर्व सैनिक दिवस समारोह में बोलते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच मौजूद अंतर को पाटना है. जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला द्वारा इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं. अखनूर में वयोवृद्ध दिवस समारोह यह साबित करता है कि अखनूर का हमारे दिलों में वही स्थान है जो दिल्ली का है.

भारत और पाकिस्तान के बीच 1965 में अखनूर में युद्ध लड़ा गया था. भारत ने पाकिस्तानी सेना के प्रयासों को विफल करने में सफलता पाई. भारत ने इतिहास में लड़े गए सभी युद्धों में हमेशा पाकिस्तान को हराया है. पाकिस्तान 1965 से अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है. हमारे मुस्लिम भाइयों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है. आज भी भारत में प्रवेश करने वाले 80% से अधिक आतंकवादी पाकिस्तान से हैं. सीमा पार आतंकवाद 1965 में ही समाप्त हो गया होता, लेकिन तत्कालीन केंद्र सरकार युद्ध में प्राप्त सामरिक लाभ को रणनीतिक लाभ में बदलने में असमर्थ रही.

जम्मू-कश्मीर पीओके के बिना अधूरा है. पीओके पाकिस्तान के लिए एक विदेशी क्षेत्र से ज्यादा कुछ नहीं है. पीओके की जमीन का इस्तेमाल आतंकवाद का कारोबार चलाने के लिए किया जा रहा है. पीओके में आतंकी प्रशिक्षण शिविर चलाए जा रहे हैं. पाकिस्तान को इन्हें नष्ट करना होगा।

विधिक जागरूकता हेतु मोबाईल वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालोतरा के तत्वावधान में बालोतरा न्यायक्षेत्र में आज मंगलवार से शनिवार तक की अवधि के दौरान मोबाईल वैन के माध्यम से विधिक जागरूकता, विधिक साक्षरता एवं विधिक चेतना तथा नालसा एवं रालसा की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस वैन के जरिये राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में विधिक चेतना एवं जागरूकता अभियान चलाना है।

न्यायालय परिसर बालोतरा से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष एम.आर. सुथार, विशिष्ठ पोक्सो न्यायाधीश हुकमसिंह राजपुरोहित, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सिद्धार्थ दीप, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश राजन खत्री, अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सं. 01 डॉ रामचंद्र चौहान, अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सं. 02 राजीव चौधरी, न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपांशु आर्य तथा अधिवक्तागण, कर्मचारीगण एवं पक्षकारा की उपस्थिति में बालोतरा मुख्यालय से मंगलवार से शनिवार के मध्य क्षेत्र में भ्रमण हेतु मोबाईल वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। म उक्त मोबाईल वैन के जरिये अधिकार मित्र गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी जाकर आगामी 08 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार-प्रसार कर आमजन को न्यायालय में लंबित उनके प्रकरणों में राजीनामा के माध्यम से लोक अदालत में निस्तारण हेतु प्रेरित करेंगे।साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी लोक कल्याणकारी योजनाओं का पैरा लीगल वॉलेन्टियर (अधिकार मित्र) स्वरूपसिंह के द्वारा पेम्पलेट् वितरण कर वैन में वीडियो, चलचित्र दिखाकर एवं ऑडियो विजुअल के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

कवि और शायर ओमप्रकाश खींची का ऑल इंडिया रेडियो पर कार्यक्रम

जयपुर @ जागरूक जनता। आकाशवाणी केन्द्र जयपुर के राजस्थली कार्यक्रम के अन्तर्गत बज़्मे-अदब (उर्दू) समिति ,सीकर के अध्यक्ष एवं हिन्दी, उर्दू और राजस्थानी के नामचीन कवि ,शायर और लेखक ओमप्रकाश खींची (दिल सीकरी) की राजस्थानी भाषा में सामाजिक समस्यावां अर वारों समाधान विषय पर वार्ता की रिकार्डिंग संपन्न हुई। जिसका प्रसारण ऑल इंडिया रेडियो जयपुर से सोमवार को होगा। वार्ता रिकार्डिंग उपरान्त केन्द्र के अधिकारीगण प्रभु दयाल वर्मा, मोतीलाल मीणा और साहित्यकार तेज सिंह राठौड़ ने वार्ता के सुन्दर लेखन, धाराप्रवाह वाचन एवं शुद्ध उच्चारण के लिए प्रशंसा करते हुए ओम प्रकाश खींची को हार्दिक बधाई दी।

ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आने का दिया न्यौता

बांठिया ने सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री गौतम दक का किया स्वागत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व चंपालाल बांठिया चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष गणपत बांठिया ने राजस्थान सरकार में सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री गौतम दक के नाकोड़ा आगमन पर उनका स्वागत किया।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व चंपालाल बांठिया चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष गणपत बांठिया ने बताया कि राजस्थान सरकार में सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री गौतम दक के नाकोड़ा आगमन पर ट्रस्ट सदस्यों के साथ उनका माला पहनाकर व गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। बांठिया ने सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री गौतम दक को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रारंभिक कार्यकर्ता, जनसंघ के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व विधायक स्व. चंपालाल बांठिया के 92वी जन्मजयंती एवं नवम पुण्यतिथि के पुनीत अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बालोतरा में सोमवार 3 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाले संस्तुति एवं समर्पण समारोह में भाग लेने का न्यौता दिया। उन्होंने मंत्री दक को कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि समारोह में राजस्थान के 11 समाज बंधुओं का सेवा सम्मान, जरूरतमंद लोगों व्हीलचेयर वितरण, दिव्यांग बंधुओं के लिए ट्राईसाईकिल का वितरण, श्रवण यंत्र वितरण सहित महिलाओं को स्वावलंबन हेतु सिलाई मशीन का वितरण करने का कार्यक्रम है। इस दौरान बांठिया ने विश्व प्रसिद्ध जैन तीर्थ नाकोड़ा में पूजा अर्चना कर देश प्रदेश में अमन चैन व खुशहाली की कामना की। जैन इंटरनेशनल ट्रैड ऑर्गनाइजेशन (जीटो) के आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

पंचांग

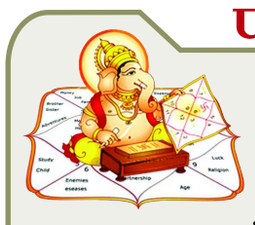

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 15/01/2025

सूर्योदय : 07:21 **सूर्यास्त** : 17:51 **चन्द्रोदय** : 19:21 **चन्द्रास्त** : 08:26**शक सम्वत** : 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना** : पौष **पूर्णिमांत** : माघ **सूर्य राशि** : मकर **चन्द्र राशि** : कर्क **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : द्वितिया, 27:26 तक **वार** : बुधवार **चन्द्रमास माघ** : पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत**: 2081 पिङ्गल **पौष** - अमान्त **गुजराती सम्वत** : 2081 नल **प्रविष्टे/गते**: 2

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पुष्य, 10:27 तक
योग : प्रीति, 25:48 तक
प्रथम करण : तैतिल, 15:22 तक
द्वितिय करण : गारा, 27:26 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:27 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:54 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:16 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:44 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:46 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:04 ए एम, जनवरी 16 से 12:58 ए एम, जनवरी 16

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : उत्तर
होमाहुति : चन्द्र, मंगल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 07:20 - 08:39	उद्वेग	: 17:50 - 19:31
अमृत	: 08:39 - 09:58	शुभ	: 19:31 - 21:12
काल काल वेला	: 09:58 - 11:16	अमृत	: 21:12 - 22:54
शुभ	: 11:16 - 12:35	चर	: 22:54 - 00:35
रोग वार वेला	: 12:35 - 13:54	रोग	: 00:35 - 02:16
उद्वेग	: 13:54 - 15:13	काल	: 02:16 - 03:57
चर	: 15:13 - 16:31	लाभ	: 03:57 - 05:39
लाभ	: 16:31 - 17:50	उद्वेग	: 05:39 - 07:20

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वितीया

आज कौन सा कार्य करें

द्वितीया को राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

पौष, कृष्ण, द्वितीया, 2081 बुधवार, 15 जनवरी - 21 जनवरी, 2025

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ (ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)

व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मिथुन (क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह)

विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

कर्क (हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक (तो,ना,नी, नू,या,यी,यू)

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे)

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर (भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,)

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ (गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा)

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन (दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि)

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

विकल्प इंडिया सोसायटी ने मनाया पतंगोत्सव, बच्चों संग बड़ों ने लिया पतंगों का आनन्द

विकल्प इंडिया सोसायटी ने किया नवाचार-दीया कुमारी

आमजन व स्कूल के बच्चों को बांटी कई हजार पतंग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पतंगबाजी का शौक बच्चों को ही नहीं बड़े-बड़े को भी होता है। महिलाएं भी इस शौक से पीछे नहीं है। राजधानी में पतंगोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। ऐसो ही आयोजन विकल्प इंडिया सोसायटी द्वारा बीते दिनों विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स कॉलेज के पास ग्रीन पार्क में आयोजित किया गया। सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा ने बताया कि क्षेत्र में पहली बार इस प्रकार का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों से लेकर बड़े-बूढ़े व राजनेता भी शामिल हुए। सभी ने यहां पतंग का उत्सव मनाया। इसके अलावा सिविल लाइंस स्थित निवास पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी को सोसायटी की ओर से संजय कटारा ने अभिनन्दन किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि यह सराहनीय कदम है। इस पहल का हम सबको स्वागत करना चाहिए।

मकर संक्रांति के पावन पर्व से पूर्व विकल्प इंडिया सोसाइटी ने पतंग उत्सव का आयोजन किया। उत्सव के दौरान हजारों पतंगों के नवाचार के माध्यम से राजस्थान सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के संदेश का प्रचार प्रसार किया गया। वातावरण निर्माण हेतु दिनांक कार्यक्रम 9 जनवरी को प्रातः शुरू हुआ जो दोपहर एक बजे तक चला। कार्यक्रम विद्याधर नगर सेक्टर 3 स्थित ग्रीन पार्क में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहभागिता स्वरूप विद्याधर नगर क्षेत्र से विकास समिति सेक्टर 3 एवं ग्रीन पार्क समिति, समस्त पार्षद एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। इसके अलावा क्षेत्र के विभिन्न स्कूल व कॉलेज से छात्र छात्राएं कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी पतंग महोत्सव के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम आयोजक विकल्प इंडिया सोसायटी के निदेशक संजय कटारा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बियानी कॉलेज के निदेशक संजय बियानी रहे, जबकि कार्यक्रम कि अध्यक्षता वार्ड 21 कि पार्षद प्रियंका अग्रवाल ने की। इस दौरान ग्रीन पार्क समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य भी कार्यक्रम के साक्षी बने। शिक्षण संस्थान प्रधान जिनमें सरस्वती शिक्षा सदन सेकेण्डरी स्कूल के निदेशक संतोष शर्मा, मयूर स्कूल के संस्था प्रधान फूलचंद यादव, ब्राइट मून सीनियर सेकेंडरी स्कूल के निदेशक गौरव यादव, श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं छात्र-छात्राएं शामिल थीं। शिवदयाल मिश्रा पत्रकार, बजरंग सेना प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शर्मा, अग्रवाल समाज प्रदेश युवा महामंत्री गजानंद अग्रवाल, रवि सैनी, मैनेजर श्याम लता शर्मा, ममता शर्मा, उर्मिला कंवर, मुकेश खंडेलवाल, दिलीप अग्रवाल एवं गौरव मिश्रा मेघराज कुमावत, सतवीर करसानिया, निहारिका, निलम अग्रवाल, डॉ.मुकेश शर्मा, विश्व हिन्दू परिषद्,लवी कटारा, डॉ.बी.एल प्रजापति, वैभव मिश्रा उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान बूंदी से आए कलाकारों ने राजस्थानी गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में पतंग का वितरण करते हुए अल्पाहार कराया गया। प्रभावी मंच संचालन बियानी कॉलेज की प्रोफेसर मोनिका शर्मा ने किया।

जिला स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव आयोजित

नियुक्ति पत्र पाकर कर्मयोगियों के खिले चेहरे

मुख्यमंत्री व राज्य सरकार का जताया आभार

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का किया शिलान्यास व लोकार्पण

जिले के 519 नव नियुक्त कर्मयोगियों को नियुक्ति पत्र किए गए वितरित

311.73 करोड़ रूपये के 739 कार्यो का किया गया लोकार्पण व शिलान्यास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जिले के 519 नव नियुक्त कर्मयोगियों को नियुक्ति पत्र किए गए वितरित

जिला स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव कार्यक्रम के तहत जोधपुर जिले में नव चयनित 519 युवाओं को नियुक्ति पत्रों का वितरण किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में अतिथियों ने पांच नव नियुक्त कर्मयोगियों को नियुक्ति पत्र देकर लाभान्वित किया। जिले में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 195, वित्त विभाग के 188 एवं गृह विभाग के 136 सहित कुल 519 नवनियुक्त कर्मयोगियो को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

311.73 करोड़ के 739 विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से जोधपुर जिले में राशि रूपये 311.73 करोड़ के 739 विकास कार्यो का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा ने नवनियुक्त कर्मयोगियों को नियुक्ति पत्र और बधाई संदेश सौंपे। कार्यक्रम के तहत वर्चुअल माध्यम से प्रदेश के लगभग 13 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्रों का वितरण किया गया। साथ ही, लगभग 31 हजार करोड रुपए के 76 हजार से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर प्रदेशवासियों को विकास की सौगातें दी गई। राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत एवं विधायक सूरसागर देवेंद्र जोशी की अध्यक्षता में जोधपुर के डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में वर्चुअली जिला स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव आयोजित हुआ। इस अवसर पर नवनियुक्त कर्मयोगियों को नियुक्ति पत्र देकर लाभान्वित किया। एवं उन्हें उज्ज्वल भविष्य की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवर के अवतरण दिवस पर चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर व अनेक सेवा-सत्संग आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री ब्रह्मऋषि परिवार जयपुर द्वारा पालीवाल ब्राह्मण हितकारी समिति जयपुर एवं पालीवाल युवा मंडल के संयुक्त तत्वाधान में पूज्य गुरुदेव के अवतरण दिवस के अवसर पर विशाल रक्तदान ओर नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का के आयोजन किये गये।आयोजन में पल्स केयर पैथोलॉजी मानसरोवर द्वारा रक्त की जांच, मधुमेह एवं एलर्जी जांच आदि की नि:शुल्क सेवाएं प्रदान की गई। दन्त चिकित्सक डॉ. सजल गुप्ता द्वारा नि:शुल्क दन्त परीक्षण एवं परामर्श प्रदान किया गया।नाड़ी वैद्य अशोक शर्मा द्वारा नाड़ी परीक्षण करके आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया।एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ कैलाश गंगवाल द्वारा एक्यूप्रेशर के माध्यम से विभिन्न रोगों के निवारण हेतु परामर्श दिया गया। रक्तदान शिविर एवं चिकित्सा परामर्श के साथ ही समाज भवन पर संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ के बाद पौष बड़ा प्रसादी की गई।

नई तकनीक, बेहतर गुणवत्ता व वेस्टेज पर नियंत्रण से बढ़ेगा निर्माण उद्योग-सुथार

उदयपुर @ जागरूक जनता। प्री इंजीनियरियड बिल्डिंग निर्माण में पंद्रह वर्षों से कार्यरत लोटस हाईटेक इंडस्ट्रीज के फाउंडर प्रवीण सुथार ने होटल रैडिसन ब्लू, ग्रेटर नोएडा में आयोजित क्लस्टॉप की वार्षिक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया और बताया कि इस सैक्टर में योगदान देने वाले देश के 150 से अधिक उद्यमियों ने हिसा लिया। उद्योग की बढ़ती आवश्यकताओं और वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा के लिए पांच विशिष्ट अतिथियों के पैनल डिसेक्शन में लोटस हाईटेक इंडस्ट्रीज के फाउंडर प्रवीण सुथार ने कहा कि "कम वेस्टेज, बेहतर गुणवत्ता और हाई टेक्नोलॉजी के बिना वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना असंभव होगा। नई तकनीकों को अपनाने और ग्राहक सेवाओं को बेहतर बनाने से ही हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पहचान बनाए रख सकते हैं।"

पिंकसिटी प्रेस क्लब में मनाया पतंगोत्सव

जयपुर @ जागरूक जनता। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर पत्रकार परिवारों ने प्रेस क्लब छत से पतंगोत्सव मनाया। पिंकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़, महासचिव योगेन्द्र पंचौली एवं प्रबन्ध कार्यकारिणी ने क्लब परिवार को मक्रर संक्रांति की शुभकामनाएं दी। पतंगों के माध्यम से परिदों के बचाने, बेटी बचाओ, बिजली बचाओं, भ्रूण हत्या बन्द करों, सड़क यातायात सुरक्षा सहित अनेक श्लोगन की पतंग उड़ाकर शहर वासियों को जागरूकता का संदेश दिया। हर साल की भांति पतंगोत्सव के साथ पौषबड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष मुकेश मीणा कार्यकारिणी सदस्य अनिता शर्मा, संजय गौतम, शालिनी श्रीवास्तव, बृहस्पति शर्मा, ब्रज भूषण शर्मा, प्रदीप सिंह शेखावत, निखलेश शर्मा, सुरेन्द्र जैन पारस, मुकेश जैन, सैयद शाहनवाज अली, दशरत सिह, के.जे. श्रीवत्सन, जितेन्द्र प्रधान, गिरधारी लाल पारीक, विकास आर्य, अनिल त्रिवेद्दी, रूपेश टिंकर, मनोज शर्मा, लोकेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र कुमार स्वामी एवं अन्य वरिष्ठ पत्रकार एवं परिवार उपस्थित थे।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में प्रवेशोत्सव 1 अप्रेल से

जयपुर @ जागरूक जनता। शिक्षा संकुल में पीएमयू के तहत आगामी शिक्षा योजनाओं और नवाचारों पर चर्चा की गई। इस दौरान शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल ने सभी राजकीय विद्यालयों में एक अप्रेल से प्रवेशोत्सव शुरू करने के निर्देश दिए। इसका उद्देश्य नए छात्रों का स्वागत करना और स्कूलों में नामांकन बढ़ाना है। शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल ने कहा कि प्रखर राजस्थान अभियान के तहत आधारभूत साक्षरता और संयात्मकता (एफएलएन) पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही शाला संबलन ऐप के अपडेट्स पर चर्चा की गई। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की स्थिति का अपडेट लेने के भी निर्देश दिए। यह पहल छात्रों के स्वास्थ्य की निगरानी और सुधार के लिए है। शिक्षा सचिव ने राजकीय विद्यालयों में मेधावी छात्रों और ड्रॉपआउट छात्रों के लिए विशिष्ट योजनाएं चलाने को कहा। इसका उद्देश्य छात्रों को प्रोत्साहित करना और ड्रॉपआउट दर को कम करना है।

अमेरिका के सेंट कैथरीन यूनिवर्सिटी मिनेसोता के स्टूडेंट्स ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान का दौरा

आमजन संग विदेशी में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों का आयुर्वेद में बढ़ रहा है रुझान - प्रो. संजीव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में रिसर्च, फॉरेन स्टडी, पंचकर्म एवं आयुर्वेद में अवसर को जानने के लिए अमेरिका के सेंट कैथरीन यूनिवर्सिटी मिनेसोता के पैरामेडिकल मैं अध्ययन करने वाले 14 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय जयपुर का एकदिवसीय दौरा किया। कुलपति डॉ. संजीव शर्मा ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। क्रिया शरीर विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. छाजू राम यादव ने सेंट कैथरीन यूनिवर्सिटी के पैरामेडिकल विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा में किया जा रहे कार्यों और रिसर्च की जानकारी दी साथ ही विद्यार्थियों ने विदेश में आयुर्वेद चिकित्सा की बढ़ रही संभावनाओ और अवसरों की जानकारी ली। स्टूडेंट ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में अध्ययन के लिये फॉरेन से आने वाले स्टूडेंट्स के लिए स्पेशल प्रोविजन की जानकारी भी ली। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने बताया कि विदेश में आयुर्वेद के क्षेत्र में आमजन के साथ विदेश में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों का रुझान बढ़ रहा है, इसके कारण आज राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में भारत के कई राज्यों के साथ विदेश के 17 देश से विद्यार्थी आज यहां आयुर्वेद चिकित्सा में पढ़ाई और रिसर्च कर रहे हैं। आयुर्वेद में रिसर्च और पढ़ाई को लेकर अमेरिका के सेंट कैथरीन यूनिवर्सिटी से आए 14 विद्यार्थियों ने जानकारी ली और आयुर्वेद के क्षेत्र में अपने कैरियर को लेकर बढ़ते अवसरो को जाना। एक दिवसीय दौरे के दौरान सेंट कैथरीन यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों के दल के साथ फैकल्टी डॉ दीपशिखा ओर डॉ क्रिस्टीन ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में ओपीडी, पंचकर्म विभाग, क्रिया शरीर विभाग में स्थापित एडवांस ह्यूमन फिजियोलॉजी लैब, सेंट्रल लैब, सिम्युलेशन लैब, फार्मेसी विभाग, एनाटॉमी विभाग, ड्रग लैब के साथ अन्य विभागों की जानकारी ली।

दूर ऑपरेटरों, होम स्टे मालिकों, होटलों और पर्यटक गाइडों के लिए आयोजित हुई एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रदेश में पर्यटकों को मिले यूनिक अनुभव-दीया कुमारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है दूर-दराज के निर्जन क्षेत्रों को भी पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर लोकप्रिय डेस्टिनेशन बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजनरी क्षमता का अनुकरण किया जाए। दिया कुमारी ने पर्यटक स्थलों पर ट्रेफिक की समस्या के समधान सहित राजस्थान को पर्यटन में नंबर एक बनाने लिए बेहतरीन सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों को यूनिक और अद्भुत अनुभव दिलाने की दिशा में काम किया जाए। उन्होंने कहा कि हम विश्व स्तरीय सेवाओं और सुविधाओं से ही राजस्थान को पर्यटन में अग्रणी बना सकते हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुख्य अतिथि के रूप में सोमवार को जयपुर स्थित होटल द ललित में पर्यटन विभाग, फिक्की और द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में टूर ऑपरेटरों, होमस्टे मालिकों, होटलों और पर्यटक गाइडों के लिए सोमवार को आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए।

दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में पर्यटन विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विशेष रूचि रखते हैं। इसी के अनुकरण में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टूर ऑपरेटर, होम स्टे मालिक, होटल और पर्यटक गाइड और ड्राइवर्स तथा पर्यटन से जुड़े अन्य लोगों को बेहतर प्रशिक्षण से उनकी क्षमता संवर्धन के लिए राइजिंग राजस्थान प्री समिट (पर्यटन) में मंच से ही निर्देश दिए थे। जिस पर डॉ. ज्योत्सना सूरी, पूर्व अध्यक्ष, फिक्की और सीएमडी, द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप ने ऐसा करने की सहमति दी

थी। जिसकी अनुपालना में यह क्षमता संवर्धन कार्यशाला आयोजित की जा रही है। उन्होंने इस हेतु मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान को पर्यटन में नम्बर एक बनाने के लिए यहां आने वाले पर्यटकों को यूनिक और अद्भुत अनुभव मिले, इसके लिए हम सभी को राजस्थान पर्यटन की एक टीम रूप में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए ट्रैफिक की समस्या के समाधान सहित स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधाओं का विकास किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में इन्हीं विषयों पर चर्चा कर सुझाव आ रहे हैं। साथ ही सभी सहभागियों से सुझाव आमंत्रित हैं। जिसके आधार पर एक बेहतर कार्ययोजना बनाकर हम सभी राजस्थान को पर्यटन क्षेत्र का सिरमौर बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं जो कि राजस्थान के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने टूर ऑपरेटर, होम स्टे मालिक, होटल और पर्यटक गाइड, ड्राइवर तथा पर्यटकों के संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का आह्वान किया कि वे सभी अपने स्तर पर राजस्थान पर्यटन को बढ़ावा दें, पर्यटकों से चर्चा करें तथा उन्हें यहां की पर्यटन विशेषताओं के बारे में सही जानकारी दें। दिया कुमारी ने टूर ऑपरेटर, होमस्टे मालिक, होटल और पर्यटक गाइड सभी का आह्वान किया कि वे राजस्थान आने वाले पर्यटकों से आग्रह करें कि वे राजस्थान में जिस भी पर्यटक स्थल पर जाएं, वहां पर्यटन विशेषताओं का खूब आनंद लें और वहां जो कुछ भी देखें, उनका फोटो और वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी शेयर करें। इससे राजस्थान के पर्यटन क्षेत्रों के प्रति वैश्विक स्तर पर उत्सुकता बढ़ेगी। उन्होंने जयपुर में आयोजित होने वाले ट्रेवल मार्ट्स को राजस्थान के अन्य शहरों में भी आयोजित किए जाने का भी सुझाव दिया जिससे कि अन्य शहरों में भी पर्यटन विकास के नए अवसर पैदा हो सके। कार्यशाला में शासन सचिव पर्यटन रवि जैन, फिक्की की पूर्व अध्यक्ष ज्योत्सना सूरी, फिक्की उत्तरप्रदेश कमेटी के चेयरमैन प्रतीक हीरा ने भी अपने विचार रखें।

उद्घाटन सत्र के अवसर पर सुषमा अरोड़ा, प्रबंध निदेशक राजस्थान पर्यटन विकास निगम, सुरेन्द्र सिंह शेखावत, सह-अध्यक्ष, फिक्की राजस्थान राज्य परिषद और अध्यक्ष, शाहपुरा होटल और रिसॉर्ट्स भी उपस्थित रहें।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी

77 वर्ष की आयु में भी निरन्तर सक्रिय

लोगों का दिल जीत लेते हैं देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
उप निदेशक, राजस्थान विधान सभा, जयपुर

जयपुर। लगातार कार्य में व्यस्त होने के बाद भी राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के चेहरे पर कभी थकान की शिकन तक नहीं आती है बल्कि वे प्रत्येक यात्रा के बाद ऊर्जावान दिखाई देते हैं। विधान सभा अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद कार्य दिवसों पर यदि वे जयपुर में है तो विधान सभा प्रातः 10:15 बजे पहुँचेंगे और सांय 6:15 बजे ही विधान सभा के कार्यालय से अपने निवास पर लौटते है। अजमेर विधान सभा क्षेत्र में उनके कार्यक्रमों, समारोह, मुलाकातें, बैठकों की श्रंखला वाकई देखने लायक होती है। उनके द्वारा प्रत्येक शनिवार व रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में किये जाने वाले अपार कार्यक्रम तो शायद कोई अन्य चुनाव आने के समय भी इतने कार्यक्रम नहीं करते होंगे। गरीब, दलित, असहाय, जरूरतमंद जो भी उनके पास पहुँच जाता है, उसकी मदद वे अवश्य करते हैं। यही कारण है कि उनसे मिलकर आने वाला आमजन कभी निराश होकर नहीं लौटता है और वे बहुत जल्द ही लोगों के दिल में अपना स्थान बना लेते है। अपने सरकारी निवास पर हो या विधानसभा उनसे मिलने वालों का तांता लगा ही रहता है। लोगों की आत्मीयता से मदद करके उन्हें बहुत अच्छा लगता है। प्रातः 4 बजे से रात्रि 11 बजे तक प्रतिदिन सक्रिय रहने वाले देवनानी बताते है कि एकादशी के दिन उनका जन्म होने के कारण उनकी जन्म तिथि 11 जनवरी की गई।

11 जनवरी, 1948 को राजस्थान की हृदयस्थली अजमेर में जन्मे, 1958 से राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ एवं 1972 से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से सक्रिय रूप से जुड़े वासुदेव देवनानी ने अपने राजनैतिक जीवन में निरन्तर 5 बार विधान सभा चुनाव जीतकर विधायक, मंत्री और विधान सभा अध्यक्ष रहकर प्रदेश की उल्लेखनीय सेवा कर रहे है। वर्तमान में विधान सभा अध्यक्ष के रूप में वे लोकतन्त्र के सुदृढीकरण के लिए अनेक नवाचार कर रहे है। पेशे से शिक्षक रहे देवनानी स्वयं अनुशासन में रहते है और लोगों से भी वे अनुशासन की अपेक्षा रखते है। कई बार ये समारोह में निर्धारित समय पर आयोजकों से पहले पहुँच जाते है।

एम.बी.एम इंजीनियरिंग कॉलेज जोधपुर से इलेक्ट्रिकल विषय में बी.ई. की उपाधि प्राप्त करने वाले देवनानी ने विद्याभवन पॉलिटेक्निक कॉलेज, उदयपुर में प्राचार्य के रूप में सेवाएं प्रदान की है और 2023 में प्रथम बार 12वी विधान सभा (2003 से 2008) में अजमेर पश्चिम से विधायक निर्वाचित हुए। उसके पश्चात 2008 से 2013, 2013 से 2018 और 2018 से 2023 और दिसम्बर, 2023 में पुनः अजमेर उत्तर से देवनानी विधायक निर्वाचित हुए है।

देवनानी ने मई 2004 से दिसम्बर, 2008 तक राज्य के प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, भाषा, भाषायी अल्पसंख्यक चिकित्सा एवं कृषि जैसे महवपूर्ण विभागों के राज्यमंत्री के रूप में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की है। चौदहवीं विधान सभा के कार्यकाल के दौरान पुनः दिसम्बर, 2014 से दिसम्बर, 2018 तक प्राथमिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के स्वतंत्र प्रभार एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज के राज्यमंत्री के रूप में भी सेवाएं दी है। तीन दशकों तक अध्यापन के क्षेत्र में सकारात्मक और सार्थक भूमिका में रहे वासुदेव देवनानी ने प्रकाशन और लेखन के क्षेत्र में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी है। देवनानी ने अनन्य एवं अनेक पत्र-पत्रिकाओं के साथ-साथ विभिन्न समाचार पत्रों में सारगर्भित आलेख लिखे हैं। शिक्षाविद् के रूप में पहचान रखने वाले देवनानी शिक्षा क्षेत्र की विशेषताओं व खामियों से भली-भांति परीचित है। देवनानी ने शिक्षा क्षेत्र की खामियों का निदान करने के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था में काउन्सिलिंग द्वारा पदस्थापन शाला दर्पण अपडेशन और स्टाफिंग पैटर्न जैसे महत्वपूर्ण सुधार किए।

सुदीर्घ संसदीय अनुभव रखने वाले देवनानी विधान सभा के कार्यकाल के दौरान प्राक्कलन समिति क प्राक्कलन समिति ख, विशेषाधिकार समिति, अधीनस्थ विधान संबंधी समिति, स्थानीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं संबंधी समितियों के सदस्य एवं सभापति भी रहे है। देवनानी ने इन समितियों के माध्यम से कार्यपालिका को विधायिका के प्रति उत्तरदायित्व बनाने के सिद्धान्त को परिपुष्ट किया है। 13वीं और 15वीं विधान सभा में प्रतिपक्ष के दायित्व का भी देवनानी ने बखूबी निर्वहन किया। क्षेत्रीय कार्य समिति, कपार्ट के सदस्य और रूरल डेवलपमेंट एवं रिकंस्ट्रक्शन एक्टिविटीज के देवनानी अध्यक्ष भी रहे 12 सोलहवीं विधान सभा के गठन के उपरांत देवनानी 21 दिसम्बर, 2023 को राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए है। अध्यक्ष पद पर निर्वाचन के बाद देवनानी ने विधान सभा कार्यप्रणाली के सुदृढीकरण के प्रयास प्रारम्भ कर विधान सभा को पेपरलैस बनाने, नेवा प्रोजेक्ट को लागू करने, पर्ची व्यवस्था पुनः आरम्भ करने, कार्यवाही के दौरान भोजनावकाश देने का और सत्र से पूर्व सर्वदलीय बैठक जैसे नवाचार करते हुए अनेक सुधारात्मक कदम उठाये है। विधान सभा में वाट्सअप चैनल, ई-बुलेटिन सहित कई नवीन सुविधायें भी देवनानी ने शुरू की है। विधान सभा में बने डिजिटल म्यूजियम का प्रसारित करने, इसकी विषयवस्तु को और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिये परिवर्तन एवं परिवर्धन जैसे कदम उठाने के साथ-साथ विधान सभा जनदर्शन कार्यक्रम की शुरुआत देवनानी ने की है। वर्तमान में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों की कार्यकारिणी समिति के सदस्य पद पर देवनानी को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मनोनित किया है। जनवरी, 2024 में मुम्बई में आयोजित 64वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में देवनानी ने भाग लिया।

राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष देवनानी 3 से 8 नवम्बर, 2024 तक न्यू साउथवेल्स ऑस्ट्रेलिया में 674 राष्ट्रमण्डल संसदीय सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्य करते हुए सम्मिलित हुए तथा पोस्ट स्टडी ट्यूर के तहत इण्डोनेशिया, सिंगापुर और जापान की बाजारों की। सनातन और राष्ट्र भावना से ओतप्रोत देवनानी लगभग 10 वर्ष की आयु में ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक बन गये तथा वर्ष 2000 में संघ के प्रान्त प्रचार प्रमुख बने। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश मंत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष भी रहे है। समाजसेवी देवनानी राजस्थान सिंधी साहित्य समिति के अध्यक्ष, आरतीय सिंधु सभा के केन्द्रीय कार्यकारिणी के सदस्य तथा सिंधी संगीत समिति के संरक्षक एवं सिंधी भाषा विकास समिति के मुख्य संरक्षक भी रह चुके है। देवनानी को वर्ष 2003 में सर्वोत्तम पॉलिटेक्निक अवार्ड, सिंधु गौरव अवार्ड तथा सिंधु रन अवार्ड से भी सम्मानित हुए है।

अजमेर के विवेकानन्द पार्क से एक साथ देख सकते हैं फायसागर और आनासागर झील- देवनानी

शहर के नए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा विवेकानन्द पार्क

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अजमेर। भारतीय जनमानस में बसे स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर शहर को एक नए पर्यटन स्थल की सौगात दी। उन्होंने कोटड़ा स्थित विवेकानन्द पार्क में स्वामी विवेकानन्द की 13 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। शहर के सबसे ऊंचाई वाली जगह पर बनाए गए इस पार्क से एक साथ फायसागर और आनासागर का नजारा देखा जा सकता है। पार्क को योग एवं पर्यटन के लिए विकसित किया गया है। अजमेर शहर के लोग यहां घूमने, स्वामी विवेकानन्द की मूर्ति के साथ सेल्फी लेने तथा आनासागर व फायसागर का नजारा देखने आ सकते हैं।

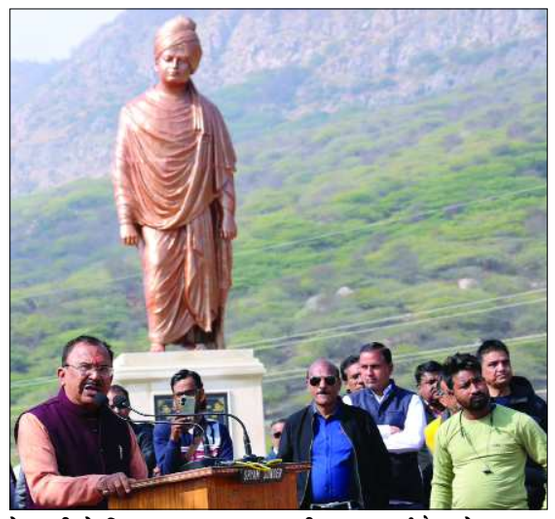

देवनानी ने विधानसभा अध्यक्ष बनते ही अजमेर विकास प्राधिकरण को निर्देश दिए थे कि यहां विवेकानन्दजी की मूर्ति स्थापित की जाए। इस प्रतिमा के निर्माण पर 73 लाख रूपए की लागत आई है। इसे अष्टधातु से बनाया गया है। पार्क बनने के 17 वर्ष बाद श्री देवनानी के प्रयासों से यहां पर मूर्ति की स्थापना की गई। यह पार्क अब शहर के पर्यटन के लिए एक नया टूरिस्ट पॉइन्ट बनेगा। इसे अजमेर के टूरिस्ट मैप पर भी अंकित किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि स्वामी विवेकानन्द और उनके विचार युगों युगों तक भारतीय जनमानस को प्रेरित करते रहेंगे। स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय सनातन संस्कृति और भारतीय विचार दर्शन से पूरी दुनिया को अवगत कराया। उन्होंने विदेश में जाकर जब भारतीय संस्कृति का परिचय दिया तो पूरी दुनिया हमारी गौरवशाली सभ्यता और संस्कृति का परिचय जानकर उसकी प्रशंसक हो गई। असंख्य लोगों ने भारतीय दर्शन, सभ्यता, संस्कृति और हमारी विपुल परम्पराओं को अंगीकार किया।

अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल

विधानसभा में होगा पेपरलैस कार्य

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के अथक प्रयासों से सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के तीसरे सत्र के लिए विधायकगण विधान सभा सदन से संबंधित कार्यों में सूचना तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। विधायकगण नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन के माध्यम से ऑनलाइन पद्धति से कार्य सम्पादित करेंगे। ऑनलाइन कार्य सम्पादन में उत्कृष्टता लाने के लिए विधायकगण बुधवार 15 जनवरी को दोपहर 12:30 बजे से सदन में आइपेड पर भौतिक प्रशिक्षण भी लेंगे। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि राजस्थान विधान सभा के सदन को नये कलेवर में तैयार किया गया है। सदन में विधायकगण की सीटों पर आइपेड लगाये गये हैं। अब राजस्थान विधानसभा को पेपरलैस बनाने की दृष्टि से सोलहवीं विधानसभा के तृतीय सत्र से नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) लागू किया जाएगा। विधानसभा का प्रत्येक सदस्य इस एप्लिकेशन के माध्यम से सदन से जुडी सभी जानकारी आईपेड पर देख सकेंगे। देवनानी ने बताया कि विधायकगण मोबाइल से भी नेवा एप्लिकेशन एप द्वारा विधान सभा को ऑनलाइन प्रश्न प्रेषित कर सकते है। राजस्थान विधान सभा का सदन हाइटेक हो रहा है। सदन से संबंधित कार्य ऑनलाइन सम्पादित हो रहे है। नेवा के तहत विधानसभा को प्राप्त हुए 800 प्रश्न- राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) के तहत विधान सभा को तारांकित और अतारांकित प्रश्न ऑनलाइन प्राप्त हो रहे हैं।

विधायकों को आइपेड पर नेवा का प्रशिक्षण आज

राजस्थान में बजट के लिए 1.20 लाख लोगों ने दिए सुझाव

जयपुर @ जागरूक जनता। भजनलाल सरकार के दूसरे बजट के लिए आमजन की ओर से करीब 1.20 लाख लोगों के सुझाव आए हैं। इनमें संविदाकर्मियों के नियमन, भर्तियां खोलने व उनमें पारदर्शिता बढ़ाने जैसे मुद्दों को लेकर सबसे अधिक सुझाव आए हैं। राज्य सरकार की ओर से 10 जनवरी तक आमजन से सुझाव मांगे गए थे। इनके माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं ने राजीव गांधी प्रेरकों की बहाली, संविदाकर्मियों के नियमन की मांग की है।

शिक्षा और चिकित्सा विभाग में बढ़े भर्तियां

युवाओं की ओर से शिक्षा-चिकित्सा सहित अन्य विभागों में नियमित और पारदर्शी तरीके से भर्ती का मुद्दा उठाया है, वहीं भर्ती कैलेण्डर तय कर उसकी पालना कराने का सुझाव भी दिया।

किसानों के लिए ये

किसानों की सब्सिडी बढ़ाने और एमएसएमई को प्रोत्साहन देने की मांग उठाई गई है, वहीं रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए स्किल डवलपमेंट पर फोकस करने का सुझाव भी आया है।

महिलाओं को मिलेगी परेशानी से मुक्ति, चूड़ी बाजार में पिंक टॉयलेट का निर्माण शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर के व्यस्ततम बाजारों में महिलाओं के लिए टॉयलेट निर्माण शुरू करवा उन्हें बड़ी राहत दी है। उन्होंने चूड़ी बाजार में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट की नीवं रखी। यह टॉयलेट 22 लाख रूपए की लागत से बनेगा। चूड़ी बाजार में एक ही स्थान पर 8 टॉयलेट फरवरी तक बन कर तैयार होंगे। ऐसे ही टॉयलेट पुरानी मण्डी और डिग्गी बाजार में भी बनाए जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चूड़ी बाजार में नगर निगम की भूमि पर पिंक टॉयलेट निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर श्री देवनानी ने कहा कि लम्बे समय से महिलाओं को बाजारों में टॉयलेट नहीं होने के कारण परेशानी का सामना करना पड रहा था।

राजस्थान ब्राह्मण महासभा ने महापौर का भगवान परशुराम का चित्र भेंट कर किया अभिनन्दन

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान ब्राह्मण महासभा द्वारा ग्रेटर नगर निगम जयपुर की महापौर डॉक्टर सौम्या गुर्जर का जन्म दिवस पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष दीक्षांत शर्मा व प्रदेश प्रमुख महामंत्री मधुसूदन शर्मा द्वारा भगवान परशुराम का चित्र, शाल एवं दुपट्टा महापौर सौम्या गुर्जर को भेंट किया गया। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष महेश शर्मा संयुक्त मंत्री सुनील सारस्वत मनोज दीक्षित एवं सर्वेश त्यागी आदि ब्रह्मजन उपस्थित थे।

पेंटिंग से अपने गांव का नाम करा रोशन-अजयपाल

मारवाड़ जंक्शन @ जागरूक जनता। वाकिफ कहां था जमाना हमारी उड़ान से वो और थे जो हार गए आसमां से', कुछ इसी ही लक्ष्य के साथ काम करते हुए उदयपुर के एक छोटे से गॉव से 20 साल के लड़के ने अपनी पेंटिंग के माध्यम से पहचान बनाई चुण्डावत खेड़ी गॉव से अजयपाल सिंह चुण्डावत अब तक कला की दुनिया में अपना योगदान बहुत ही दिया है असर ही है कि लोगों की जुबां पर इनका ही नाम छाया रहता है। उनकी प्रतिभा स्केच ओर एक्रेलिक पेंटिंग में साफ झलकती है चित्र इतने जीवंत और प्रभावशाली होते है कि देखने वाले उनकी बारीकियों और गहराई में खो जाते हैं जिसे लोगों को बेहद अच्छा लगता है। पेंटिंग में कदम रखा तो इसी थीम के साथ कार्य करना शुरू किया। यही वजह थी की लोगों को मेरा पेंटिंग बेहद पसंद आया। इसके चलते नई पहचान मिली । व इस फील्ड के संघर्ष के बारे में कहा कि हारना मेरी फितरत में नहीं था। इसलिए एक समय ऐसा भी आया, जब कई लोगों ने मेरा साथ छोड़ दिया। मैंने जिनकी मदद की, उन्होंने भी किनारा कर लिया, लेकिन हार नहीं मानी ! अजयपाल सिंह ने बताया कि उनका लक्ष्य बचपन से ही इस पेंटिंग की फील्ड में जाना था। आज तक करीब 2000 हजार पेंटिंग बना दी गई है।

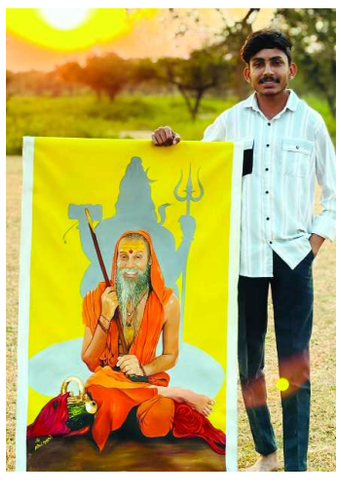

मंत्री जवाहरसिंह बेढम, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री उमाशंकर शर्मा व महंत डॉ नरेश पुरी महाराज ने ट्रकों को झड़ी दिखाकर प्रयागराज महाकुंभ किया रवाना

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर ट्रस्ट ने प्रयागराज महाकुंभ में बड़ी मात्रा में भेजी खाद्य सामग्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मेहंदीपुर बालाजी। प्रयागराज में महाकुंभ की लगभग तैयारी पूरी है, 13 जनवरी से 26 जनवरी तक आयोजित होने वाले महाकुंभ को लेकर खासा उत्साह दिख रहा है प्रयागराज नगरी दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार है। महाकुंभ में करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं की आने की संभावना है इसे लेकर शुक्रवार को अग्रणीय भूमिका निभाते मेहंदीपुर बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत डॉ. नरेश पुरी महाराज की ओर से बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री प्रयागराज महाकुंभ के लिए भेजी गई। इस दौरान मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में विद्वान पंडितों के द्वारा विशेष पूजा अर्चना कराकर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम,विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मंत्री उमाशंकर शर्मा और महंत डॉक्टर नरेशपुरी महाराज ने खाद्य सामग्री से भरे वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना किया. वाहनों के रवाना होते समय लोगों ने बालाजी महाराज के जयकारे लगाए.

खाद्य सामग्री भेजी, महाकुंभ में लगा शिविर

महंत डॉक्टर नरेशपुरी महाराज द्वारा प्रयागराज महाकुंभ में 100 टीन देशी घी, 250 टीन तेल,20 टन अनाज,10 टन दाल,25 हजार तिल के लड्डु व 1 लाख मास्क,10 हजार गर्म कंबल,वस्त्र वाहनों में भरकर भेजे गए, और राजस्थान सरकार की ओर से प्रयागराज महाकुंभ में जो शिविर लगाया गया है जिससे भंडारा और दान पुण्य बालाजी मंदिर ट्रस्ट की तरफ किया जाएगा। मेहंदीपुर बालाजी मंदिर द्वारा एक भव्य सेवा शिविर भी 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ में लगाया गया है जिसमें लाखों श्रद्धालुओं को निःशुल्क ठहरने और भोजन की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। मेहंदीपुर बालाजी मंदिर हमेशा से समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित है और समाजसेवा में अग्रणी रहा है। महंत डॉ. नरेश पुरी महाराज ने सभी महाकुंभ जाने वाले भक्तों से अपील की है कि वह इस बालाजी मंदिर के शिविर में सम्मिलित हों और सेवा व भक्ति के इस अद्भुत अवसर का लाभ उठाएं। महंत डॉ. नरेशपुरी महाराज 14 जनवरी को शाही स्नान करेंगे।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा

मेहंदीपुर बालाजी धाम राजस्थान के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है. बालाजी मंदिर ट्रस्ट समय-समय पर सामाजिक सरोकार के विषयों में अग्रणी भूमिका निभाता आया है. महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सही देखभाल हो और उनको विशेष सुविधा का लाभ प्राप्त हो उसे लेकर बालाजी मंदिर ट्रस्ट ने खाद्य सामग्री व गर्म कंबलों से भरे वाहनों को प्रयागराज महाकुंभ भेजा है। जिससे महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी मिल सके और कंबलों से सर्दी से बचाव हो यह बेहतरीन पहल की है। महाकुंभ में भव्य शिविर लगाया गया है जिसमें लाखों श्रद्धालुओं के ठहरने व भोजन की व्यवस्था की है इन व्यवस्थाओं से महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा बालाजी मंदिर ट्रस्ट समय-समय पर सामाजिक सरोकार के विषयों में अग्रणी भूमिका निभाता आया है. मैं महंत डॉक्टर नरेश पुरी महाराज का आभार व्यक्त करता हूँ और जो आप जरूरतमंद लोग की सेवा के लिए तैयार रहते हैं यह एक अनूठी मिसाल है ।

कंटीली झाड़ियां न्योता दे रही हादसे को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गुड़ामालानी। क्षेत्र के रामजी का गोल से जोधपुर जाने वाले हाइवे पर 1 से 2 किलोमीटर तक ब्बूल के पेड़ सड़क के दोनों तरफ मंडरा रहे हैं सड़क विभाग के अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान इस कंटीली झाड़ियों के कारण वाहन चालक कइ बार हादसे के शिकार होते हैं सड़क पर बनीं दोनों तरफ सफेद लाइन भी कंटीली झाड़ियों की वजह से दिखाई नहीं दे रही है झाड़ी की वजह से आवारा पशु भी वाहनों की चपेट में हमेशा आते हैं और हादसा होते - होते टलता है ग्रामीणों ने सड़क विभाग के अधिकारियों को कइ बार इस कंटीली झाड़ियों को लेकर शिकायत भी की उसके बावजूद भी अधिकारी कर रहे हैं लापरवाही क्षेत्र में ऐसी अनेकों सड़क है जों ब्बूल की झाड़ियों कि वजह से आए दिन हादसे होते-होते टलते है यह कंटीली झाड़ियां हादसे को दे रही है न्यौता।

डॉ. कर्नाटक नई दिल्ली में मानद फेलो-2024 पुरस्कार से सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। भारतीय कीट विज्ञान सोसायटी ने 7 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में कीट विज्ञान में स्थापना दिवस समारोह और फ्रंटियर्स इन एंटोमोलोजी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक को मानद फेलो-2024 पुरस्कार से सम्मानित किया। डॉ. कर्नाटक को पुरस्कार प्रदान करते हुए सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. वी.वी. राममूर्ति ने कीट विज्ञान शिक्षण, अनुसंधान व प्रसार में डॉ. कर्नाटक के आजीवन योगदान की सराहना की। उल्लेखनीय है कि डॉ. कर्नाटक ने चालीस वर्षों तक कृषि एवं कीट विज्ञान क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं दी हैं। इन्हें मधुमक्खी पालन, चावल-गेहूं और गन्ना पारिस्थितिकी तंत्र के कीट प्रबंधन और मृदा जैव प्रबंधन में विशेषज्ञता प्राप्त हैं। इन्होने तराई क्षेत्र में मधुमक्खी की एपिस मेलिफेरा प्रजाति स्थापित की और इसके पालन के लिए प्रबंधन पद्धतियां विकसित की जिससे शहद मोम और अन्य शहद उत्पादों के उत्पादन से किसानों की आय में वृद्धि हुई है और पर-परागण वाली फसलों की उत्पादकता में वृद्धि हुई है। इन्होने उत्तराखंड सरकार के कृषि पोर्टल का मधुमक्खी पालन भाग विकसित किया। डॉ. कर्नाटक को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2021 का सर्वश्रेष्ठ कुलपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वस्त्रों की डिजाइनिंग एवं अपशिष्ट फूलों के उत्पादों द्वारा कौशल विकास से ग्रामीण महिलाएं बनेगी आत्मनिर्भर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय समन्वित कृषिरत महिला अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत लोयरा की महिलाओं के लिए सुरक्षात्मक वस्त्रों का डिजाइन व विकास और ग्राम ब्राह्मणों की हुन्दर की महिलाओं के लिए अपशिष्ट फूलों का मूल्य संवर्धित उत्पादों में रूपांतरण पर दस दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं ने ब्लाउज, शर्ट, पैंट, कुर्ता, लहंगा, पेटिकोट, पटियाला सलवार इत्यादि वस्त्रों के डिजाइन करके वस्त्र सिले। साथ ही अपशिष्ट फूलों का उपयोग कर अगरबत्ती, धूपबत्ती, पॉट पोरी, प्राकृतिक पॉट, हर्बल हवन दीपक एवं खाद का प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि प्रो. अरविंद कुमार वर्मा, निदेशक, अनुसंधान निदेशालय की उपस्थिति में किया गया। उन्होंने कहा कि एक महिला के शिक्षित होने से पूरा परिवार शिक्षित होगा, सुदृढ़ होगा। ज्ञान से व्यक्ति में आत्मनिर्भरता आती है हुनर चाहे सिलाई का हो, या बच्चे पालने का हो, उसमें महिलाओं का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सरपंच प्रियंका सुथार ने भी अपने विचार रखें। परियोजना समन्वयक डॉ विशाखा बंसल के अलावा कार्यक्रम में प्रो. हेमू राठोड़, डॉ. विशाखा सिंह, डॉ. सुमित्रा मीणा उपस्थित रही। कार्यक्रम संचालन डॉ. कुसुम शर्मा, यंग प्रोफ़ेशनल द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम में मुख्य भूमिका सिखाने वाले मास्टर ट्रेनर रवि मितवा और सुश्री अनुष्का तिवारी की रही। परियोजना द्वारा विगत 10 दिवस में 70 ग्रामीण महिलाओं का कौशल विकास किया गया।

मरीज कहीं से भी रैफर होकर आए, जेएलएन अस्पताल को मिलेगी सूचना

वासुदेव देवनानी ने अस्पताल को दी कई सौगातें

अजमेर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल को कई सौगातें दी। उन्होंने यहां सेतु एप का शुभारम्भ किया। अब संभाग में किसी भी अस्पताल से मरीज रैफर होकर जेएलएन आता है तो उसके आने की पूर्व सूचना अस्पताल को प्राप्त होगी और यहां मरीज के उपचार की तैयारी कर ली जाएगी। इसी तरह अस्पताल के लिए कई सुविधाओं की भी शुरूआत की गई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय में कई सुविधाओं की शुरूआत की। उन्होंने यहां सेतु एप का शुभारम्भ किया। इस एप के माध्यम से संभाग के सभी चिकित्सालयों से रैफर होकर इस चिकित्सालय में आने वाले मरीजों की सूचना पूर्व में प्राप्त हो सकेगी। इससे इस चिकित्सालय में उपचार संबंधी कार्यवाही पूर्व में ही की जा सकेगी। इससे मरीज को उपचार दिये जाने में किसी तरह का विलम्ब नहीं होगा।

खाटू श्याम जी में 12 जून को आयोजित होगा अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन का द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह

अग्र विभूति अलंकरण से नवाजी जाएंगी 31 विभूतियां-मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन का द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन 12 जून मंगलवार को बाबा श्याम की नगरी खाटू धाम राजस्थान में अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन केंद्रीय मुख्यालय के तत्वाधान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला इकाई मथुरा एवं मथुरा महानगर इकाई के आतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। मित्तल ने बताया कि 12 जून को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में देश सहित विश्व के विभिन्न देशों के भी अग्र बंधु शामिल होंगे तथा इस कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली 31 हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन प्रायोजक परिवारों के सहयोग से होगा। अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल ने बताया कि 31 अलग अलग क्षेत्र में दिए जाने वाले सम्मान प्रायोजक परिवार की उपस्थिति में खाटू धाम में आयोजित भव्य समारोह कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रथम अग्र विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन कोलकाता के होटल हिंदुस्तान इंटरनेशनल के सभागार में आयोजित किया गया था। उक्त कार्यक्रम भव्य एवं शानदार हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों ने कार्यक्रम की अपार सफलता की भूरी भूरी प्रशंसा की तथा इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया है जिसके लिए व्यापक रूप से प्रचार प्रसार प्रारंभ कर दिया गया है एवं अंतर्राष्ट्रीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह को लेकर अग्रवाल समाज के ऐसे 31 अलग अलग क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने वाली हस्तियों से आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से उनका चयन किया जाएगा एवं 12 जून की रात्रि खाटू धाम में बाबा श्याम के भजनों का भी कार्यक्रम कार्यक्रम स्थल पर होगा।

चवा में सात राजस्व गांव स्वीकृत, पूनिया का हुआ जोरदार स्वागत

रावतसर @ जागरूक जनता। ग्राम पंचायत चवा में राज्य सरकार ने छह नवीन राजस्व गांव स्वीकृत किए है। चवा में धीरोणी पोटलिया की ढाणी, खुमोणी पोटलिया की ढाणी,पीरोणी पोटलिया की ढाणी, नाइयों की ढाणी, भीलों की बस्ती, मेघवालों की बस्ती,मगलोणी कडवासरो की ढाणी नवीन गांव स्वीकृत हुए हैं। नवीन गांव बनने पर ग्रामीणों ने सहायक विकास अधिकारी मूलाराम पुनिया,चवा भाजपा मंडल अध्यक्ष नरपतसिंह पोटलिया का ग्रामीणों ने साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। और बाड़मेर विधायक डॉ प्रियंका चौधरी सहित तमाम प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पदमाराम पोटलिया,रुगनाथाराम पोटलिया, विकास अधिकारी हनुमानप्रसाद गोदारा, सहायक विकास अधिकारी अमरसिंह पोटलिया,युवा उद्यमी खेमाराम पोटलिया,अमरसिंह गोदारा, युवा उद्यमी कौशल गोदारा, सुखराम जाखड़, देवाराम जाखड़, नरेंद्र जाखड़, पटवारी गेनाराम कड़वासरा, जुझाराम पोटलिया, देदाराम सारण, एडवोकेट दुर्गाराम पुनिया सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

ज्योतिष महाकुम्भ 19 को, हुआ पोस्टर विमोचन, 250 विद्वान होंगे शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बूंदी। द्रिक अक्षांश गणित आधारित श्री साकेत पंचांग द्वारा 19 जनवरी को ज्योतिष महाकुम्भ एवं परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा। इससे पहले शिविर के पोस्टर का देवपुरा कोर्ट स्थित गणेश मंदिर में पोस्टर का विमोचन किया गया। आयोजक पंडित जगदीश प्रसाद शर्मा ने बताया कि 19 जनवरी को हरियाली रिसोर्ट सिलोर रोड पर ज्योतिष महाकुम्भ में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैदिक व ज्योतिष क्षेत्र के लगभग 250 विद्वान विविध विषयों पर शोध पत्रों का वाचन करेंगे। कार्यक्रम में महाकुम्भ प्रभारी अक्षय शास्त्री, सहप्रभारी अभिषेक गौतम ऋग्वेदीय, आसरा संस्थापक रमेश कुमावत, पं. अभिषेक गौतम नैनवा, पं. दीपक कुमार शर्मा, पं. विष्णु तिवाड़ी, प. गिरिराज, पंडित राकेश, पंडित कृष्णानंद, आचार्य सूर्यनारायण दाधीच, पं. मुकेश, पंडित सुनील पाराशर, पं. बाबूलाल, पं. आशुतोष शर्मा सहित ने आयोजन की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया। उद्घाटन सत्र के बाद पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आप सभी ज्योतिषियों से निशुल्क परामर्श ले सकेंगे। कुंडली नहीं होने पर निराश होने की जरूरत नहीं है। भविष्य में होने वाली घटनाओं का आकलन करने वाली विधाओं के कई ज्ञानी इस महाकुंभ में निशुल्क परामर्श के लिए आने वालों को परेशानियों से राहत और मुक्ति तक के उपाय सुझाएंगे। कुंडली नहीं होने पर हाथ की रेखा, हस्ताक्षर, मस्तिष्क की रेखाओं के अलावा चेहरा देखकर मनीषी आपका भविष्य पढ़ और बांच सकते हैं।

एमपीयूएटी ने दी स्वामी विवेकानंद जयंती पर किसानों के लिए नई सौगात

Organic Farming-जैविक खेती ऐप का विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा प्रशासनिक भवन पर आदमकद प्रतिमा समक्ष पुष्पांजलि अर्पित करते हुए स्वामी विवेकानंद जी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर अनुसन्धान निदेशालय के अंतर्गत चल रही राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत् चल रही रही जैविक आदान उत्पादन एवं जैविक खेती तकनीकियों का विकास परियोजना द्वारा तैयार मोबाइल ऐप यथा शीर्षक Organic Farming- जैविक खेती का विमोचन कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के डॉ शांति कुमार शर्मा सहायक महानिदेशक, (मानव संसाधान प्रबंधन), नई दिल्ली के सानिध्य में किया और कहा कि ये मोबाइल ऐप किसानों के साथ साथ वैज्ञानिक गण, विद्यार्थियों और कृषि विभाग के अधिकारियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। कार्यक्रम में अनेक विशिष्टजनों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ अनुपम भटनागर, डॉ लोकेश गुप्ता, निदेशक प्रसार डॉ आर एल सोनी, विशेषाधिकारी डॉ वीरेंद्र नेपालिया एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में छात्र कल्याण अधिकारी डॉ मनोज महला ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया।

जागरूक जनता जागरूक जनता फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े हर खबर से आपको रखे अपडेट
www.facebook.com/jagrukjantanews

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

राजस्थान का गौरव खेजड़ी : संरक्षण के लिए विश्वविद्यालय की पहल

खेजड़ी पेड़ को संरक्षित करने की जरूरत-कुलपति डॉ. सिंह

महाविद्यालय के प्रशिक्षणात्मक फार्म पर मौजूद है 205 वर्ष पुराना खेजड़ी का वृक्ष

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान का राज्यवृक्ष खेजड़ी, जिसे पर्यावरण और संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, कीट के प्रकोप से जूझ रहा है। इसके अलावा, खीप, गुग्गल, रोहिडा, खिरनी और केर जैसी प्रजातियां भी बीमारियों और कटाई के कारण तेजी से लुप्त होती जा रही है इन पेड़ों को दीमक, इरियोफिस, जड़ छेदक आदि कीट अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं

खेजड़ी के पेड़ अब तेजी से खोखले हो रहे हैं और सूखते जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में इनकी संख्या निरंतर घट रही है। पेड़ की जड़ों में दीमक व जड़ छेदक लगने से उनकी जीवनदायिनी क्षमता कमजोर हो गई है। खेजड़ी, जो रेगिस्तान का गौरव माना जाता है, दुनिया भर में प्रसिद्ध है और मारवाड़ की मशहूर सांगरी इन्हीं पेड़ों पर उगती है, जो अब संकट के दौर से गुजर रही है। खेजड़ी को थार का कल्पवृक्ष भी कहा जाता है, और इसे 1983 में राजस्थान का राज्य वृक्ष घोषित किया गया था। इस वृक्ष को बचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। खेजड़ी पेड़ में लू, वर्षा की कमी और आंधियों का सामना करने की अद्भुत क्षमता है, और यही कारण है कि यह अकाल के समय पशुओं के लिए जीवनदायिनी साबित होता आया है। अब इस अद्वितीय गुणों युक्त वृक्ष के संरक्षण के लिए और भी ठोस प्रयासों की आवश्यकता है।

205 साल पुराना खेजड़ी का वृक्ष मौजूद है विश्वविद्यालय जोबनेर में

गौरतलब है कि कृषि विश्वविद्यालय में 205 वर्ष पुराने खेजड़ी के पेड़ के चारों तरफ पक्का निर्माण कर राजस्थानी परंपरा के अनुसार एक मंदिर भी बनाया गया है, यहां पेड़ को दी गई सुरक्षा उसकी असली कीमत को भी प्रदर्शित कर रहा है, खेजड़ी के पेड़ को बचाने के लिए एक संदेश दिया जा रहा है, कुलपति डॉ बलराज सिंह ने कहा कि लुप्त होती प्रजातियों के संरक्षण के लिए मुहिम शुरू करने की आवश्यकता है, साथ ही कृषि छात्रों को प्रजातियों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में खेजड़ी के पेड़ों के संरक्षण के लिए कृषि वैज्ञानिकों के साथ कुलपति डॉ. बलराज सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण चर्चा गई, कार्यक्रम के दौरान लुप्त हो रही प्रजातियों के संरक्षण के लिए कई सुझाव दिए हैं इसमें जर्मप्लाज्म कलेक्शन प्रमुख है। जर्मप्लाज्म कलेक्शन के माध्यम से खेजड़ी और अन्य पौधों की प्रजातियों को संरक्षित करने में मदद मिल सकती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 16 जनवरी को कर्मचारी संगठनों के साथ करेंगे बजट पूर्व संवाद –राज्य सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य की डबल इंजन सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास और जनकल्याण की भावना के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व तथा दूरगामी सोच के साथ समाज के हर वर्ग के हित में निरंतर निर्णय लिए जा रहे हैं। विकसित राजस्थान 2047 के ध्येय के साथ सरकार आगामी राज्य बजट वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार कर रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विभिन्न वर्गों के साथ 16 जनवरी से 22 जनवरी तक बजट पूर्व संवाद कर उनके अमूल्य सुझाव लेंगे। इस ₹ म में 16 जनवरी (गुरूवार) को शर्मा राज्य के कर्मचारी संगठनों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। आमजन को पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने में कर्मचारियों की एक कर्मयोगी के रूप में अहम भूमिका होती है। राज्य सरकार की नीतियों और विजन को कर्मचारी ही धरातल पर मूर्त रूप देते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं को रोजगार देने तथा राजकार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए कुशल कार्मिकों की आवश्यकता देखते हुए हेतु राज्य सरकार ने 5 वर्षों में 4 लाख पदों पर सरकारी नियुक्तियां देने का लक्ष्य रखा है।

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

श्रीनगर खेड़ा में श्रीचंदनमल रामनारायणी राठी राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय के भवन का लोकार्पण

संस्कृत सब भाषाओं की जननी, इसे आगे बढ़ाने के हों प्रयास-देवनानी

अजमेर के श्रीनगर में भामाशाह राठी परिवार ने बनवाया 2.64 करोड़ का संस्कृत स्कूल,

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने की स्कूल को 12 वीं तक क्रमोन्नत करने की घोषणा

संस्कृत में और अधिक हो शोध- दिलावर

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने अजमेर के पास खेड़ा श्रीनगर में मंगलवार को भामाशाह गोपाल राठी परिवार द्वारा 2.64 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित चंदनमल रामनारायणी राठी राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय के भवन का लोकार्पण किया। राठी परिवार, स्कूली विद्यार्थी एवं ग्रामीणों की मांग पर शिक्षा मंत्री ने कार्यक्रम में ही स्कूल को 12 वीं तक करने, खेल मैदान के लिए भूमि आवंटित करने एवं स्कूल में 3 वर्ष की आयु तक के बच्चों को प्रवेश देने की घोषणा कर दी। यह संस्कृत स्कूल स्मार्ट क्लासरूम सहित सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस है।

खेड़ा श्रीनगर में मंगलवार को चंदमल रामनारायणी राठी राजकीय संस्कृत प्रवेशिका विद्यालय का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के कहा कि संस्कृत सब भाषाओं की जननी है। इसी से विश्व की सभी भाषाएं निकली है। हम सभी को संस्कृत, संस्कृति एवं सनातन का सम्मान करना चाहिए। संस्कृत की उन्नति के लिए लगातार प्रयास किए जाने जरूरी हैं। संस्कृत संस्कृति की आत्मा हैं।

उन्होंने कहा कि संस्कृत को आगे बढ़ाने के लिए इसे जीविका के साथ जोड़ा जाना अतिआवश्यक हैं। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत शिक्षा, ज्योतिष, आयुर्वेद आदि के कोर्सेज शुरू किए जाने चाहिए। इसके लिए राज्य सरकार स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। अजमेर में शीघ्र ही आयुर्वेद विश्वविद्यालय की शुरूआत होने वाली हैं। श्रीनगर संस्कृत स्कूल के बच्चों को अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद यहां नए विकल्प उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि हमने शिक्षा मंत्री के रूप में ऋषि पाराशर, ऋषि कणाद एवं अन्य महर्षियों के पाठ्यक्रम में जुड़वाए थे। यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहे ताकि संस्कृत और भारतीय वेदों के प्रति और अधिक जागरूकता बन सके। उन्होंने कहा कि संस्कृत का अध्यापन और अधिक गंभीरता से कराए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए विद्यार्थियों में भी रूचि जगानी होंगी। हजारों पांडुलिपियां ?सी हैं जिनका अभी तक अध्ययन नहीं किया गया हैं। संस्कृत में लिखी गई इन पांडुलिपियों से हमें बड़ी उपलब्धियां हो सकती हैं।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से संस्कृत शिक्षा में करीब 4 हजार नई भर्तियां करने की तैयारी कर ली है। आने वाले समय में संस्कृत शिक्षा में एक भी पद रिक्त नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा में लिखे गए ग्रंथ अनेक आविष्कारों के आधार हैं। इस पर और अधिक शोध की जरूरत हैं। संस्कृत का ज्ञान प्राप्त करना, इसकी गहराई में जाना, शोध करना हमें और हमारे देश को और अधिक आगे ले जाएगा। राजस्थान सरकार का यह प्रयास है कि संस्कृत का प्रचलन अधिक से अधिक हो। दिलावर ने कहा कि संस्कृत को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्प होकर काम कर रही है। राजस्थान के सभी संभाग मुख्यालयों पर वेद पाठशाएं खुलेगी। संस्कृत विद्यालयों के भवनों की मरम्मत के लिए राज्य सरकार ने 50 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। उन्होंने चंदनमल रामनारायणी राठी प्रवेशिका विद्यालय को क्रमोन्नत कर वरिष्ठ उपाध्याय स्कूल बनाने की घोषणा की। उन्होंने उपखण्ड अधिकारी को निर्देश दिए कि स्कूल के खेल मैदान के लिए भूमि चिन्हित करें। साथ ही स्कूल में वाटिका श्रेणी में 3 वर्ष तक के बच्चों को भी प्रवेश मिलेगा।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह छोड़ें, गौ रक्षा एवं संवर्धन के लिए काम करें, प्राकृतिक खेती करें। इसी तरह प्लास्टिक के बर्तनों का उपयोग समाप्त करने के लिए गांवों में स्टील के बर्तनों का संग्रह बनाएं और सभी सामाजिक कार्यक्रमों में इन बर्तनों का उपयोग करें ताकि प्लास्टिक का उपयोग ना हो। उनके आग्रह पर राठी परिवार ने श्रीनगर के लिए 200 बर्तनों का सैट देने की घोषणा की। दिलावर ने कहा कि प्लास्टिक के उपयोग के कारण कई बीमारियां होती हैं। इससे प्रति वर्ष 7.5 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती हैं। इस अवसर पर नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहें।

वेदपीठ पर सूर्य उपासना के साथ मनाई मकर सक्रांति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ के प्रसिद्ध श्री शेषावतार कल्लाजी वेदपीठ पर मकर सक्रांति का पर्व पूरी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर ठाकुर श्री का सूर्य स्वरूप में श्रृंगार किया गया, जिनकी छवि देखते ही बन रही थी। श्रद्धालु अपने आराध्य के अनुपम स्वरूप को देखकर चकित होते नजर आए। इस मौके पर वेदपीठ परिसर में ठिठुरन भरी सर्दी के बीच दस विधि गंगा स्नान कराने के साथ ही कल्याण भक्तों द्वारा वेदपीठ के आचार्यो एवं बटुकों के सानिध्य में सूर्य यंत्र की पूजा करते हुए सूर्य अभिषेक किया। सूर्य उपासना कर सर्वत्र खुशहाली की कामना की।

मकर सक्रांति के पावन अवसर पर ठाकुर श्री की अनुकंपा से श्री सूर्य सूक्त का अनुष्ठान करने के साथ ही सूर्य यज्ञ में यजमानों द्वारा गौघृत एवं शाकल्य की आहुति देकर भगवान भास्कर से कृपा की वर्षा करने का अनुनय आग्रह किया। श्री कल्लाजी मन्दिर पर ठाकुर जी को तिल से बने व्यंजन एवं खीचड़े का भोग लगाकर भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही वैदिक विश्विद्यालय स्थित श्री कल्याण गौशाला में गायों को छप्पन भोग, हरा चारा एवं सवा क्विंटल गुड़ लापसी का भोग लगाया गया।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयनित होने पर खिलाड़ियों का सम्मान

अलवर @ जागरूक जनता। इंदिरा गांधी स्टेडियम में मास्टर्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता जयपुर में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में अलवर के खिलाड़ियों द्वारा पदक हासिल कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन होने पर जिला खेल अधिकारी अंजना शर्मा व अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा खिलाड़ियों का स्वागत व सम्मान किया गया।

सिंधी समाज ने हर्षोल्लास से मनाया लाल लोई पर्व

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। पूज्य सिंधी पंचायत विकास समिति व झुलेलाल युवा सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में सिंधु सभ्यता व संस्कृति का पर्व लाल लोई हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। योगेश भोजवानी व राजेश तुलसानी ने बताया कि सिंधु सभ्यता व संस्कृति के पर्व लाल लोई के अवसर पर प्रताप नगर स्थित झुलेलाल मंदिर के बाहर लोई सजाई गई। जिसका बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोगो की उपस्थिति में मंत्रोचार व पूजा अर्चना के साथ पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष कमलेश खटवानी द्वारा लोई प्रज्जवलित की गई। लाल लोई के चारो ओर समाजजनो द्वारा मंगल गीत गाते हुए परिव्र मा की गई तथा अपने परिवार, स्वजनो की खुशहाली की कामना की। इस दौरान लोगो ने एक दुसरे को लाल लोई की बधाई दी बाद में तिल से बने प्रसाद का वितरण किया गया। इससे पूर्व समाज के बच्चो व महिलाओ की चेयर रेस का आयोजन किया गया। बालक वर्ग में अमन मलानी प्रथम व महिला वर्ग में आशा आहुजा प्रथम रही। विजेताओ को अतिथियो द्वारा पुरस्कृत किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में 23 अधिकारी पदोन्नत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के 23 अधिकारियों को पदोन्नति प्रदान की गई है। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त सुनील शर्मा ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अय्यूब खान की अध्यक्षता में गत मंगलवार को शासन सचिवालय में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। जिसकी अभिशंषा पर विभाग में अतिरिक्त निदेशक के 2, संयुक्त निदेशक के 3, उपनिदेशक के 9 एवं सहायक निदेशक के 9 पदों सहित कुल 23 पदों पर पदोन्नति की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभागों में कार्मिकों को पदोन्नति के समुचित अवसर प्रदान करने की दिशा में निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में मंगलवार को सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग पदोन्नति के आदेश जारी किये गये है। विभाग में डॉ. कमलेश शर्मा एवं सुनर्बदा इन्दौरिया अतिरिक्त निदेशक के पद पर, रजनीश शर्मा, श्रवण कुमार चौधरी एवं सुक्षिप्रा भटनागर संयुक्त निदेशक के पद पर, ब्रजेश कुमार सामरिया, डॉ. रवीन्द्र सिंह, मोहम्मद मुस्तफा शेख, हरिशंकर आचार्य, तरूण कुमार जैन, अभिषेक कुमार जैन, ओटाराम चौधरी, आलोक आनन्द, अजय कुमार उप निदेशक के पद पर एवं डॉ. सुनील कुमार बिजारणिया, सुसंतोष कुमावत, भाग्यगोदारा, संतोष कुमार प्रजापति, राजेश यादव, गजाधर भरत, धर्मिता चौधरी, शिवराम मीणा एवं मनोज कुमार को सहायक निदेशक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। पदोन्नत हुए सभी अधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता एवं सूचना एवं जनसम्पर्क आयुक्त सुनील शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।

केकडी का सम्मान बचाने के लिए आर-पार की लडाई में उतरा वकील समुदाय

अनिश्चितकालीन धरने के लिए टेंट तम्बू खरीदे, वकीलो ने जिले का दर्जा फिर से नहीं मिलने तक धरना जारी रखने की भरी हुंकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

केकडी। केकडी को फिर से जिले का दर्जा देने की मांग को लेकर वकील अब आर पार की लडाई में उतर आए है तथा वकील समुदाय ने जब तक केकडी को फिर से जिले का दर्जा नहीं मिलता तब तक धरना प्रदर्शन जारी रखने का संकल्प ले लिया है। अधिवक्ताओ ने इस हेतु अनिश्चितकालीन धरने के लिए टेंट तम्बू खरीद कर तैयारी पूरी कर ली ताकि धरना भले एक महीने चले या पांच साल वकील समुदाय सरकार के जनविरोधी फैसले को वापस लेने तक अपना प्रदर्शन जारी रख सके। अधिवक्ताओ ने मंगलवार को भी यहां कोर्ट परिसर में सांकेतिक धरना प्रदर्शन जारी रखा। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता चेतन धाभाई ने कहा कि केकडी के हित के लिए वकील समुदाय आज सरकार के जनविरोधी फैसले का विरोध कर रहे है तथा पिछले कई दिनो से लगातार धरना दे रहे है लेकिन सरकार ने अब तक सुध नहीं ली है जिससे अधिवक्ताओ में रोष बढ रहा है। उन्होंने कहा कि हर मापदण्ड पर खरा उतरने के बाद भी सरकार ने केकडी जिले को खत्म करने का जो फैसला लिया है विवेकहीन है इससे जनता की परेशानियां बढ गयी है तथा विकास की गति कम हो गयी है। इस मौके पर अधिवक्ता सलीम गौरी ने केकडी जिले को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्व विधायक डॉ रघु शर्मा द्वारा जिला हटने के बाद अधिवक्ताओ द्वारा दिए जा रहे धरने में शामिल होने का आश्वासन देने के बावजूद अब तक धरने में शामिल नहीं होने पर अंसतोष जाहिर किया तथा अपनी काव्य रचना रोके जमाना तुम्हे लाख मगर, जो वादा किया वो निभाना पडेगा.....के जरिए अपनी बात रखी साथ ही उन्होंने पूर्व में बार एसोसिएशन द्वारा जिले को लेकर किए गए आन्दोलन के दौरान विधायक शत्रुघ्न गौतम द्वारा कहे गए व्यक्तवय का भी जिक्र करते हुए कहा कि विधायक गौतम ने तब धरना प्रदर्शन के दौरान कहा था कि नवगठित जिलो में से एक भी जिला रहता है तो केकडी जिला भी रहेगा लेकिन नवगठित कई जिलो को सरकार ने यथावत रख दिया है और केकडी से जिले का दर्जा छीन लिया है। उन्होंने कहा कि विधायक गौतम को भी सरकार से केकडी जिले को बरकरार रखने के लिए पूरजोर मांग करनी चाहिए ताकि फिर से केकडी को जिले का दर्जा मिल सके, केकड़ी का गौरव लौट सके। इस मौके पर बार अध्यक्ष डॉ.मनोज आहूजा, वरिष्ठ अधिवक्ता चेतन धाभाई, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, गजराज सिंह, शिवप्रताप सिंह, रामावतार मीणा, सलीम गौरी, भूपेन्द्र सिंह, दशरथ सिंह कान्दलोत, उपाध्यक्ष शिव प्रसाद पाराशर, महासचिव मुकेश शर्मा, हनुमान प्रसाद शर्मा, अनुराग पाण्डे, नीतिन जैन, परवेज नकवी, नीतिन जोशी, हेमेन्द्र सिंह, सुनील जैन, शिव प्रकाश चौधरी, रोडूमल सोलंकी, डीएल वर्मा, गजेंद्र पाराशर, रवि पंवार, रमाकान्त दाधीच, हरिराम चौधरी, सुरेन्द्र सिह धन्नावत, मुरलीधर शर्मा अनिल, सचिन, दिनेश आदि मौजूद थे।

रिट याचिका प्रस्तुत करने के लिए 11 सदस्यी समिति का गठन

अधिवक्ताओ ने जिले का दर्जा वापस लेने के लिए विरोध प्रदर्शन के साथ साथ कानूनी सहारा लेने के लिए भी तैयारी तेज कर दी है। बार अध्यक्ष मनोज आहूजा ने बताया कि हाईकोर्ट में रिट याचिका प्रस्तुत करने के लिए मजबूत दस्तावेजी साक्ष्य संकलन करने व अन्य कागजी कार्यवाही हेतु 11 सदस्य समिति का गठन किया है जो केकडी को फिर से जिले का दर्जा देने के लिए कोर्ट समक्ष मजबूत दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने संकलन का कार्य करेगी साथ ही अन्य दस्तावेजी कार्य पूरे करेगी। इस हेतु समिति का गठन किया गया, जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता चेतन धाभाई, हेमन्त जैन, शैलेन्द्र सिंह राठौड, गजराज सिंह कानावत, अनुराग पाण्डे, सीताराम कुमावत, महेन्द्र चौधरी, अनिल शर्मा, सुनील जैन, विशाल राजपुरोहित व मुंशी रमाकान्त दाधीच को शामिल किया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने किया लौंगिया क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मन्दिर का शुभारम्भ

अब घर के पास ही उपलब्ध होगा निःशुल्क उपचार-देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अजमेर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर महत्वपूर्ण शुरूआत हैं। गरीब और वंचित वर्ग के लोगों को अब उनके घर के पास ही निःशुल्क उपचार उपलब्ध होगा। सामान्य बीमारियों की चिकित्सा के लिए उन्हें दूर नहीं जाना होगा। आरोग्य मंदिर अपने नाम के अनुरूप मरीजों के लिए राहत बनकर सामने आएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को लौंगिया क्षेत्र में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि लौंगिया क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इस चिकित्सालय का लाभ प्राप्त होगा। यहां सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार एवं अन्य सामान्य बीमारियों के साथ ही डायबिटिज एवं ब्लड प्रेशर की दवाईयां भी उपलब्ध होंगी। मरीज यहां चिकित्सकों को दिखाने के साथ ही निःशुल्क दवाईयां भी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में अजमेर चिकित्सा के क्षेत्र में राजस्थान के बड़े शहरों की सूची में शामिल हो जाएगा। जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय में विभिन्न रोगों की सुपर स्पेशलिटी सेवाएं उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि हम अजमेर उत्तर के प्रत्येक निवासी को घर के आस-पास चिकित्सा सुविधा देने की दिशा में काम कर रहे हैं। संभाग के सबसे बडे जवाहर लाल नेहरू अस्पताल से लेकर आयुष्मान आरोग्य मन्दिर तक क्षेत्र का प्रत्येक निवासी मेडिकल सुविधा की कवरेज में होगा। इस अवसर पर रमेश सोनी प्रकाश बंसल संदीप गोयल राजू साहू अनिल नरवाल मुकुल साहू संजय जेदिया योगेश शर्मा भारती श्रीवास्तव अशोक मुद्गल विजय सिंह टांक सुभाष जाटव, दुर्गेश भाटी तथा अंजली ढ़न्जा पार्षद आदि उपस्थित रहें।

दान, पुण्य व गौमाता की सेवा कर मनाया मकर संक्रांति पर्व

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। मकर संक्रांति पर्व पर विभिन्न संगठनों और लोगों ने दान पुण्य किये। शहर सहित आस-पास की गौशालाओं में लोगों ने गायों को गुड़, लापसी और चारा खिलाया। शहर के गली मौहल्लों में सितोलिया और वालिबॉल खेलो सहित पारम्परिक खेलों के माध्यम से मनोरंजन किया। शहर के मंदिरों में भी लोगों की खासी चहल पहल रही वही महंत और संतो ने भी दान पुण्य कर मकर संक्रांति पर्व मनाया। सवेरे से ही गौशालाओं और मंदिरो में लोगो की आवाजाही शुरू हो गई। विभिन्न संगठनों द्वारा गौसेवा के साथ ही महिलाओं ने गौमाता का पूजन किया। इस अवसर पर शहर वासियों ने निर्धन और असहाय लोगों को अपनी ईच्छानुसार सामग्री भेंट की। वही श्रृद्धालुओं ने दुर्ग स्थित गौमुख कुंड में श्रृद्धा की डुबकी भी लगाई।

रवा की लापसी व रचका गायों को खिलाया

मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में हरिबोल प्रभाती फेरी की तरफ से एक क्विंटल रवा की लापसी व रचका गायों को खिलाया गया। गांधी चौक से भगवान नाम कीर्तन नृत्य करते हुए गांधीनगर गौशाला मे पहुंचे। प्रभातफेरी कीर्तन में भगवानलाल काबरा, नंदलाल चांवला, धन्नालाल गुर्जर, सुरेश तम्बोली, अजय कुमार नेपाली, सत्यनारायण शर्मा, वासुदेव मामनानी, जगदीश गंगवाल, बालमुकुन्द पटवा, बंशीलाल छीपा, जानकीलाल सोनी, कन्हैयालाल देवपुरा, गोपाल लाल कुमावत, पार्वतीदेवी तोषनीवाल, लालीशर्मा, सुशीलादेवी कुमावत, मुन्नादेवी शर्मा, रेखा सोनी, ताराबाई पटवा, गट्टूबाई अहीर, अणछीबाई कुमावत, लालीदेवी कुमावत, धनराज कंवर, नंदुदेवी चांवला, राधारानी कुमावत, मुन्ना प्रजापत, मुन्ना भाट, दुर्गाकंवर, आदि मौजूद थे।

गौमाता की पूजा कर खिलाई लापसी

दान-पुण्य का महापर्व मकर संक्रांति के अवसर पर श्री कुमावत विकास एवं सेवा संस्थान द्वारा गौमाता की पूजा कर गौशाला में गायों को गुड़ से निर्मित तीन क्विंटल लापसी और रजका खिलाया गया। राजकुमार बेरा ने बताया कि मकर संक्रांति पर्व पर मंगलवार सवेरे गांधी नगर स्थित गोपाल गौशाला में गायों को लगभग तीन क्विंटल गुड़ से बनी लापसी और रजका खिलाया गया। इससे पूर्व श्री कुमावत महिला जाग्रति मंच की महिला सदस्यों ने गाय के बछड़े के मंगल गीत गाते हुए मेंहदी लगा, साड़ी ओढ़ा एवं पूजा की गई। इस दौरान आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने वाले समाज के वयोवद्ध खरड़ी बावडी निवासी रोडूलाल कड़वाल का संस्थान के पदाधिकारियों ने उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया। समाज के चारभुजा मंदिर में भगवान श्री चारभुजा नाथ का श्रीनाथ जी के स्वरूप में पतंगो से आकर्षक श्रृंगार भी किया गया। इस दौरान बालचंद गेंदर, रमेशचंद्र खन्ना, डॉ. श्यामसिंह मंडलिया, मुरारी लाल, हरिप्रसाद दमीवाल, मनमोहन मोड़ीवाल, डी.एल. गमेरिया, घनश्याम खनारिया, सुरेशचंद्र साड़ीवाल, शिवलाल अड़ाणियां, किशनलाल धनेरिया, शंकरलाल ओस्तवाल, विनोद मोरवार, जीवनलाल पड़ियार, नंदकिशोर, अमृतलाल, सुन्दरलाल चंगेरिया, मनोहर, लाभचंद लाड़ना, इन्द्रमल सिंगनवाल, उमेश अजमेरा, नारायणलाल कड़वाल, सचिन मोरवार, ओमप्रकाश गेन्दर, अनिल खनारिया, राहुल सहित श्री कुमावत महिला जाग्रति मंच एवं संस्थान के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

इनर व्हील क्लब ने मनाया मकर संक्रांति पर्व

इनर व्हील क्लब अध्यक्ष रितु भोजवानी के नेतृत्व में मकर संक्रांति पर्व धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर पतंग उड़ाने और तिल लड्डु के साथ गजक का आनंद लिया गया। हाउजी, नटखट खटपट और सितोलिया जैसे खेलों ने सभी का मनोरंजन किया। रितु पोखरना ने बताया कि इनर व्हील क्लब ने पंचमुखी हनुमान अस्पताल में क्लब की वरिष्ठ सदस्य डॉ. सुशीला लढ़ा और डॉ. पुंगलिया के नेतृत्व में एक व्हीलचेयर दी।

आईएफएस मॉडलः किसानों की आय और रोजगार बढ़ाने वाला नवाचार कुलपति-डॉ सिंह

दो प्रशस्ति पत्रों के साथ विश्वविद्यालय को मिलासम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के अंतर्गत राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान (रारी), दुर्गापुरा पर संचालित अखिल भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत किए गए उल्लेखनीय कार्यों के कारण भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने दो प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया है, जो कि विश्वविद्यालय के लिए गौरव का पल है, विश्वविद्यालय

के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने खुशी जाहिर की है, कुलपति डॉ सिंह ने कहा कि आईएफएस मॉडल की वजह से किसानों की लघु एवं सीमांत कृषिकों की आय मजबूत हुई है, रोजगार सृजन की के दृष्टिकोण से आईएफएस मॉडल बेहद सफल माना गया है

समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल क्या है?

समन्वित कृषि प्रणाली (आई एफ एस मॉडल) मॉडल एक उन्नत कृषि तकनीक है, जो किसानों को उनकी भूमि, संसाधन और समय का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस मॉडल का उद्देश्य खेती में विभिन्न गतिविधियों जैसे फसल उत्पादन, पशुपालन, बागवानी, मछली पालन, मुर्गी पालन, केंचुआ खाद और अजोला उत्पादन को एकीकृत करके किसानों की आय बढ़ाना और पर्यावरण को संरक्षित करना है। राजस्थान कृषि अनुसंधान केंद्र (रारी) दुर्गापुरा के निदेशक डॉ हरफूल सिंह का कहना है कि पर्यावरण को बेहतरीन प्रदर्शित करने वाला मॉडल हैं। यह मॉडल किसानों को उनकी भूमि की उत्पादकता बढ़ाने, फसलों और पशुपालन को जोड़कर अधिक आय अर्जित करने, और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को सुनिश्चित करने में मदद करता है। इसके जरिए किसानों को खेती के साथ , मुर्गी पालन, बागवानी और अन्य सहायक गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया है।

इन वैज्ञानिकों को मिला सम्मान

डॉ राकेश सम्मौरिया, डॉ ए के गुप्ता, डॉ ओ पी मीणा, डॉ प्रतिभा सिंह, डॉ उम्मेद सिंह व डॉ एम आर यादव। मुख्य शोधार्थी व सस्य विज्ञान विभाग का आचार्य व विभागाध्यक्ष डॉ राकेश सम्मौरिया ने बताया की मॉडल क्षेत्र के लघु कृषक की संचित परिस्थितियों हेतु विकसित किया गया है जिसमें लगभग 1.45 हेक्टर क्षेत्र में फसलोंत्पादन, उद्यानिकी , पशु उत्पादन, केंचुआ आधारित खाद इकाई एवं अजोला इकाई के रूप में संचालित है। साथ ही बताया कि आईएफएस मॉडल पारंपरिक खेती से कई मायनों में बेहतर है।

पार्वती न्यूट्री समूह द्वारा तैयार तिल एवं अपशिष्ट फूलों से उत्पादों का विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय की अखिल भारतीय समन्वित कृषिरत महिला अनुसंधान परियोजना द्वारा प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों का डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति द्वारा विमोचन किया गया। अनुसंधान निदेशक, डॉ. अरविंद वर्मा ने परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया परियोजना पाँच प्रोजेक्ट पर कार्य कर रही हैं, जिसमे ग्रामीण महिलाओं को कृषि एवं कृषि आधारित गतिविधियों में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य के लिए विभिन्न गाँवों में प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।

परियोजना समन्वयक डॉ. विशाखा बंसल ने बताया कि प्रतापगढ़ जिले के बंबोरी एवं उदयपुर के लोयरा और ब्राह्मणों की हूंदर गाँव की महिलाओं को विभिन्न विधाओं में जैसे मूँगफली की चिक्की, कृषिरत महिला हेतु सुरक्षात्मक वस्त्र एवं फूलों के अपशिष्ट से पूजन-हवन की सामग्री यथा अगरबत्ती, धूपबत्ती इत्यादि के उद्यमिता कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया और इन प्रशिक्षित महिलाओं को आय अर्जन की धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे इन महिलाओं के जीवन को एक बेहतर स्तर दिया जा सकें।

इस अवसर पर परियोजना की वैज्ञानिक डॉ. हेमू राठौड़, डॉ. विशाखा सिंह, डॉ. सुमित्रा मीणा एवं यंग प्रोफेशनल डॉ. कुसुम शर्मा, डॉ.वंदना जोशी, डॉ. स्नेहा जैन, सुश्री अनुष्का तिवारी एवं दीपाली भी उपस्थित थे ।

जार पत्रकार सम्मान समारोह संपन्न, जार संवाद का विमोचन हुआ

पत्रकार के लिए पहले राष्ट्र, फिर परिवार और समाज-सैनी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) के प्रदेशाध्यक्ष संजय सैनी ने कहा कि पत्रकार के लिए सबसे पहले राष्ट्र फिर परिवार और समाज है। पेसिफिक कॉलेज ऑफ पैरा मेडिकल साइंस में आयोजित जार पत्रकार सम्मान समारोह- 2023-24 की अध्यक्षता कर रहे थे। सैनी ने पत्रकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जार संगठन पत्रकार हितों के लिए काम करेगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से की गई मुलाकात का उल्लेख करते हुए पत्रकारों के लिए आवास और चिकित्सा सुविधाओं में सुधार की जानकारी दी। सैनी ने आय बढ़ाने के लिए कंटेंट पर काम करने की आवश्यकता पर भी

जोर दिया। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. अभिषेक आचार्य ने पत्रकारिता को समाज में बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी ने ग्रामीण पत्रकारों की कठिनाइयों पर बात की। जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा राजदीप ने अनुशासन के लिए किए गए कड़े निर्णयों पर चर्चा की। मंचासीन अतिथियों में वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी, सुभाष शर्मा, नरेश शर्मा और समाजसेवी मुकेश माधवानी भी शामिल थे। समारोह के दौरान जार संवाद का विमोचन और लेपटॉप बैग, विंडशीटर का लोकार्पण भी किया गया।

पेड़ धरती मां का श्रृंगार है, अपने कृत्यों से उसे खत्म ना करें-दिलावर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि पेड़ धरती मां का श्रृंगार है उसे अपने कृत्यों से खत्म ना करें। धरती हमें सब कुछ देती है, हमारा भी दायित्व बनता है कि हम उसे संरक्षण देवें। यह बात उन्होंने मंगलवार को भीलवाड़ा में अपना संस्थान एवं नगर निगम द्वारा आयोजित पांच दिवसीय हरित संगम स्वच्छता एवं पर्यावरण मेले के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मनुष्य को जीने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है और ऑक्सीजन के लिए पेड़ का होना जरूरी है। वातावरण में तापमान बढ़ता जा रहा है, खतरे की घंटी बज चुकी है। पेड़ कम होने से जमीन को शीतलता नहीं मिल रही और रिचार्ज लेवल नहीं बढ़ रहा। हम सभी को जागरूक होने की आवश्यकता है।

पॉलीथिन मानवता की सबसे बड़ी दुश्मन

पॉलीथिन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह मानवता की सबसे बड़ी दुश्मन है। इससे कैंसर जैसी भयानक बीमारी पैदा होती है। यदि हमे स्वयं को, परिवार को और देश को बचाना है तो पॉलीथिन के उपयोग को बंद करना होगा। उन्होंने कहा कि पॉलीथिन का स्टॉक करने वालों को पहले हम समझाएंगे, फिर भी नहीं माने तो कानून का उपयोग करेंगे।

हिंगोनिया गौशाला में मकर संक्रांति पर 56 भोग, 51 कुंडीय यज्ञ और दो नए बाड़ों का शुभारंभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हिंगोनिया गौ पुनर्वास केंद्र में आज मकर संक्रांति के पावन अवसर पर भव्य आयोजन के साथ दो नए गौ बाड़ों का शुभारंभ किया गया। जयपुर के गुप्त वृंदावन धाम के श्रीकृष्ण बलराम गौ सेवा ट्रस्ट और श्री कृष्ण गौ सेवा संस्था द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

51 कुंडीय यज्ञ और 56 भोग

कार्यक्र म की शुरुआत गौमाता की परिक्रमा और हरा चारा सेवा के साथ हुई। इसके बाद 51 कुंडीय महामंत्र यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने गौमाता की सेवा का संकल्प लिया। धार्मिक परंपरा के अनुसार, गौमाता को 56 भोग अर्पित किए गए और गुड़ सेवा के माध्यम से श्रद्धालुओं ने सेवा भाव व्यक्त किया।

दो नए बाड़ों और सुरभि पथ का शुभारंभ

इस अवसर पर श्री कृष्ण गौ सेवा संस्था के अध्यक्ष ओमप्रकाश मोदी (ओके प्लस) ने बताया कि गौशाला में 5 बड़े बाड़े बनाने की योजना है, जिसमें से दो बाड़ों राधा गोविंद धाम और राधा रमन धाम का शुभारंभ किया गया। इन बाड़ों के साथ सुरभि पथ (तक जाने का मार्ग) का भी शुभारंभ किया गया। बाड़ों का उद्देश्य गौमाता संरक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान करना है।

विशेष अतिथि और समारोह

कार्यक्रम में जयपुर नगर निगम की मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर और हेरिटेज मेयर कुसुम यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने यज्ञ में आहुति दी और गौ सेवा के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

सांस्कृतिक और धार्मिक योगदान

त्योहार की शोभा बढ़ाने के लिए पतंग उड़ाने की विशेष व्यवस्था की गई, जिसमें बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हिंगोनिया गौ पुनर्वास केंद्र के उपाध्यक्ष श्री रघुपति दास ने कहा कि मकर संक्रांति पर दान और पुण्य का विशेष महत्व है, और इस आयोजन ने न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को प्रकट किया बल्कि गौ सेवा और संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता भी बढ़ाई।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में मकर संक्रांति पर शांति एवं आरोग्य यज्ञ का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के सान्निध्य में विश्व विद्यालय परिसर स्थित कुलपति निवास पर मकर संक्रांति के पावन अवसर पर शांति एवं आरोग्य यज्ञ का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों की मंगलकामना एवं विश्व कल्याण के लिए यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ आर्य समाज के श्रीमान सेवाराम जी जांगिड़ एवं उनकी टीम द्वारा मंत्रोच्चार सहित विधि विधान से करवाया गया। इस अवसर पर कुलसचिव श्रीमान अखिलेश कुमार पीपल, वित्त नियंत्रक श्रीमान मंगलाराम विश्नोई, प्राचार्य प्रोफेसर महेंद्र कुमार शर्मा, पूर्व कुलसचिव एवं विभागाध्यक्ष रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना प्रोफेसर गोविंद सहाय शुक्ला,पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथिक, और योग एवं नैचुरोपैथिक

महाविद्यालय के सभी शैक्षणिक संकाय सदस्य और अशैक्षणिक सदस्य तथा प्रशासनिक भवन के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने अपने संबोधन में यज्ञ के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह भारतीय परंपरा का अभिन्न हिस्सा है, जो न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है, बल्कि स्वास्थ्य और समृद्धि की प्राप्ति में भी सहायक है। इस अवसर पर यज्ञ में उपस्थित सभी सदस्यों ने पर्यावरण शुद्धि और समाज में सकारात्मक ऊर्जा के प्रसार के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण और मंगल कामना के साथ किया गया।

बिरला व्हाइट सी एस आर के अंतर्गत खारिया खंगार में " Love Kharia" चौराह का सौंदर्यीकरण, पक्षी घर और "आदित्य ज्ञान केंद्र" का हुआ भव्य उद्घाटन

गांव तक पहुंचा सेल्फी प्वाइंट का क्रेज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

खारिया खंगार/पीपाड़ शहर। पाली पूर्व - सांसद बद्रीराम जाखड़, बिरला व्हाइट संयंत्र प्रमुख आलोक निगम, प्रधान पंचायत समिति पीपाड़ सोनिया चौधरी, उपखंड अधिकारी दूदा राम हुड्डा और खारिया खंगार सरपंच प्रमिला चौधरी के नेतृत्व में खारिया खंगार में एक भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बिरला व्हाइट सी एस आर पहल के तहत इस कार्यक्रम में गाँव के विकास और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा देने वाले कई नवाचारों का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत "I Love Kharia" चौराहे के अनावरण से हुई, जो खारिया खंगार गाँव की पहचान और गौरव का प्रतीक बनेगा। चौराह के सौंदर्यीकरण में हाई मास्ट लाइट का भी उद्घाटन साथ किया गया। यह चौराहा गाँव वासियों के लिए एकता और प्रगति का संदेश देता है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक अद्वितीय पक्षी घर का निर्माण किया गया। यह संरचना पक्षियों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने में सहायक होगी। शैक्षणिक विकास को

प्रोत्साहित करने के लिए विधार्थियों के लिए आदित्य ज्ञान केंद्र का उद्घाटन भी किया गया। यह केंद्र छात्रों को आधुनिक शिक्षण सामग्री और संसाधन प्रदान करेगा, जिससे उनकी पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ेगी और उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास होगा।

इस अवसर पर बिरला व्हाइट के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें FH-HR पंकज कुमार पोदार, FH टेक्निकल जगदीश तिवारी, FH RD डॉ. राजेश सिंह, और हेड IT एन के जाकेटिया, डी के अग्रवाल, CSR हेड एस चन्दा, प्रशान्त मिश्रा, पी के श्रीवास्तव, बी एल कुमावत, डॉ. सजीव भटनागर, राम निवास एवं CSR टीम की भागीदारी रही। सभी ने अपने प्रेरक विचार साझा किए। खारिया खंगार राज. विद्यालय के प्रिंसिपल रामपाल खोखर ने भी छात्रों को शिक्षा के महत्व और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण पर जोर दिया। यह कार्यक्रम न केवल खारिया खंगार गाँव को शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित हुआ, बल्कि विधार्थियों और गाँव वासियों को प्रेरित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम भी बना। बिरला व्हाइट की यह पहल सामुदायिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है।

जागरूक जनता
www.Jagrukjanta.net
विश्वसनीय समाचार पत्र

जी हाँ,यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।

जो दिखेगा वही बिकेगा

आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की जागरूक जनता के साथ

विज्ञापन क्लासीफाइड डिस्प्ले प्रॉपर्टी वैवाहिक

विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070

जागरूक जनता @ प्रयागराज का महाकुंभ-2025 का शुभारम्भ हो गया। कहने को ये आस्था का महाकुंभ है, लेकिन हकीकत ये है इसे आस्था तक सीमित नहीं रखा जा सकता है। इसमें भक्त है, आस्था और परंपरा की अमूल्य विरासत है जो भारत को एकता के महासूत्र में पिरोती है। इस परंपरा के पीछे की पौराणिक कथाओं और वेद पुराणों में इसके महत्व का विवरण किया गया है। साथ ही, वैज्ञानिक कारणों को देखें तो कुंभ मेला मानव शरीर पर प्लेनेट्स और मैगनेटिक क्षेत्रों के प्रभाव समझने का एक बढ़िया समय है। बायो-मैगनेटिज्म के अनुसार मानव शरीर चुंबकीय क्षेत्रों का उत्सर्जन करता है और बाहरी ऊर्जा के क्षेत्रों से प्रभावित होता है। कुंभ स्नान और ध्यान के दौरान महसूस की जाने वाली शांति और सकारात्मकता का कारण इन्हीं ऊर्जा प्रवाहों में है। यही वजह है कि इस बार करीब 40 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाने जा रहे है। इसके लिए उत्तर पदेश सरकार ने बेहतरीन इंतजाम किए है।

आस्था और विज्ञान का अद्भुत संगम

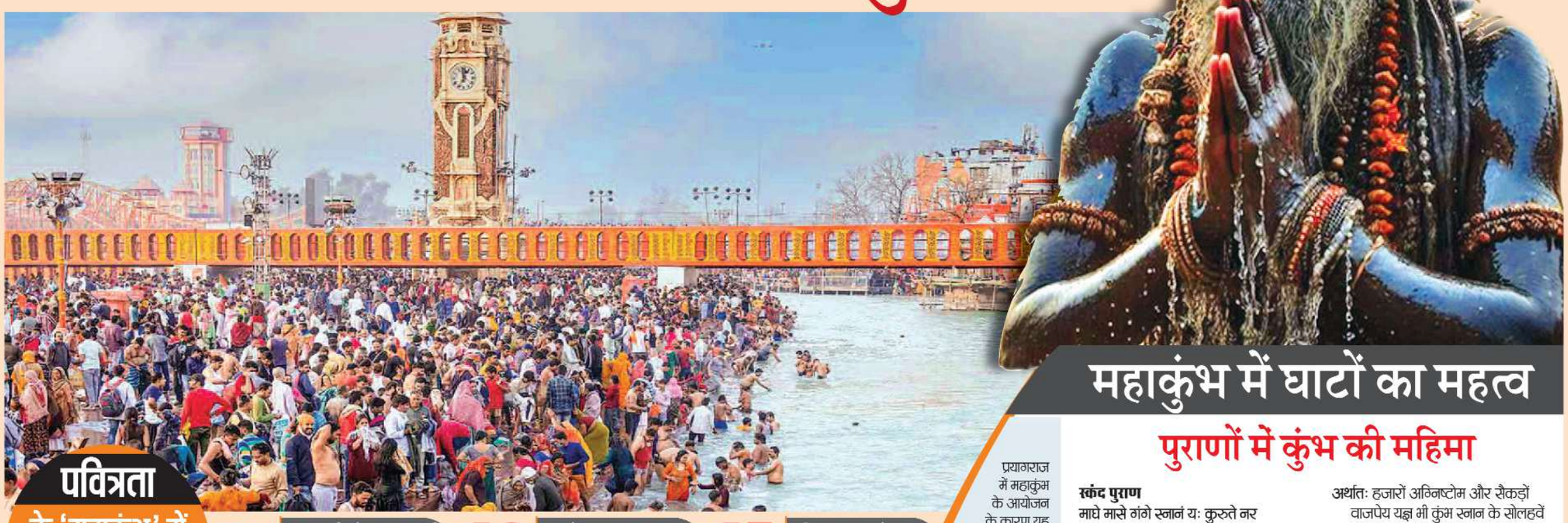

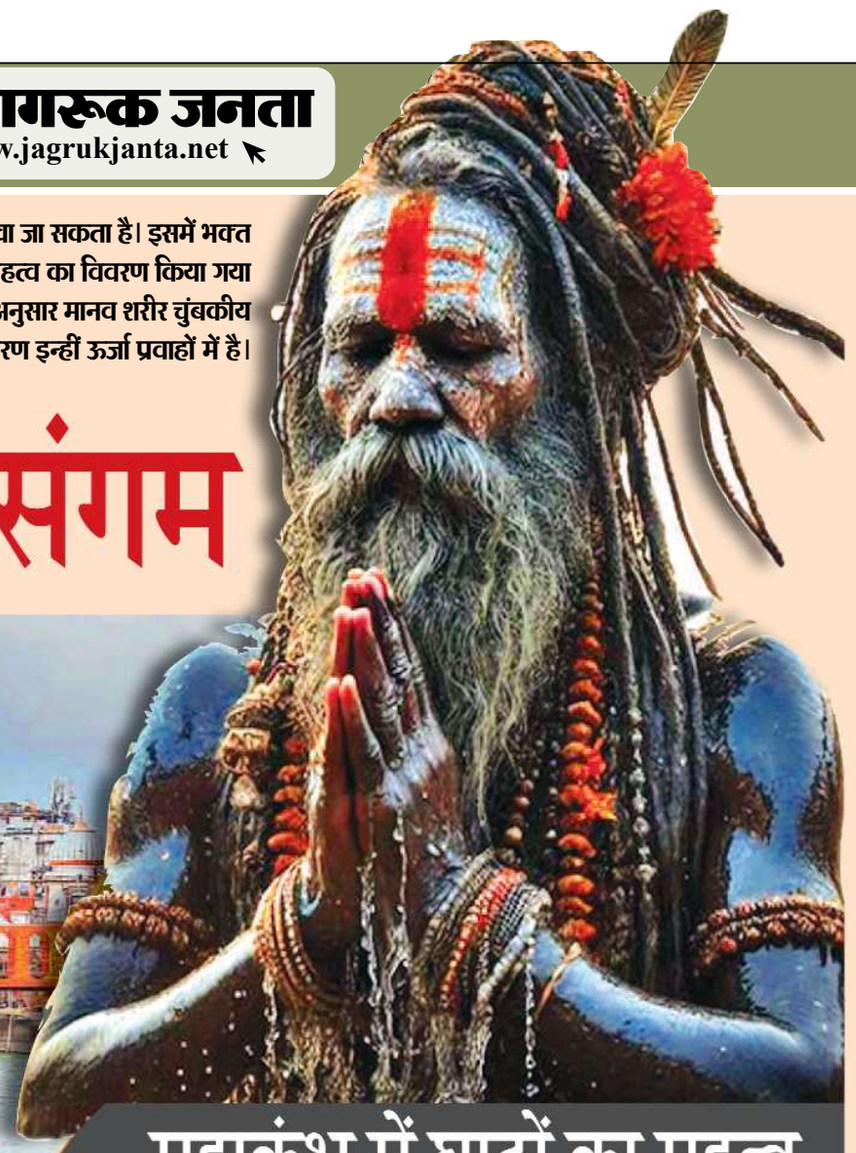

पवित्रता के 'महाकुंभ' में एकता की विरासत

13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा महाकुंभ

40 करोड़ श्रद्धालु संगम में लगाएंगे डुबकी

45 दिन तक चलेगा महाकुंभ का मेला

इस साल 2025 में 13 जनवरी से प्रयागराज के संगम पर महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। कुंभ मेले का आयोजन 12 साल में एक बार होता है। ऐसे में इसका आध्यात्मिक लोगों को बेसब्री से इन्तजार होता है। महाकुंभ का मेला संगम जैसे पवित्र स्थल पर भी होता है लेकिन बहुत सारे लोग इन दोनों के बीच का संबंध नहीं जानते हैं। कुंभ का मेला है और इस दौरान संगम की महत्ता भी बढ़ जाती है। असल में, कुंभ और संगम एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं क्योंकि कुंभ मेले का मुख्य आकर्षण संगम पर स्नान है। संगम पर स्नान को अमृत स्नान के समान पवित्र माना गया है। संगम का अर्थ मिलन होता है और यह वह स्थान है जहां तीन पवित्र नदियां। गंगा, यमुना, और अदृश्य सरस्वती आपस में मिलती हैं। भारतीय धार्मिक स्थलों में संगम को सबसे पवित्र स्थानों में से एक माना गया है। यहां स्नान करने से आत्मा की शुद्धि और मोक्ष की प्राप्ति मानी जाती है। संगम पर पूजा, ध्यान और पिंडदान जैसे धार्मिक कर्मकांड किए जाते हैं। महाकुंभ मेला हर 12 साल में उन चार पवित्र स्थानों में से एक पर आयोजित होता है, जहां पौराणिक कथा के अनुसार अमृत की बूंदें गिरी थीं। कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के समय देवताओं और असुरों के बीच अमृत पाने के लिए संघर्ष हुआ था। अमृत कलश (कुंभ) को लेकर देवता भागे और अमृत की कुछ बूंदें पृथ्वी के चार स्थानों पर गिर गईं। ये चार स्थान हैं - प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), जहां संगम है, दूसरा हरिद्वार (उत्तराखंड), तीसरा उज्जैन (मध्य प्रदेश) और चौथा नासिक (महाराष्ट्र)।

इस तरह तय होती है कुंभ की तिथि

- जब ब्रहस्पति वृषभ राशि में प्रवेश करते हैं और सूर्य मकर राशि में तब कुंभ मेले का आयोजन प्रयागराज में किया जाता है।
- जब सूर्य मेष राशि और ब्रहस्पति कुंभ राशि में प्रवेश करते हैं तब कुंभ मेले का आयोजन हरिद्वार में किया जाता है।
- जब सूर्य और ब्रहस्पति का सिंह राशि में प्रवेश होता है तब यह महाकुंभ मेला नासिक में मनाया जाता है।
- जब ब्रहस्पति सिंह राशि में और सूर्य देव मेष राशि में प्रवेश करते हैं तब कुंभ मेले का आयोजन उज्जैन में किया जाता है।
- जब सूर्य देव सिंह राशि में प्रवेश करते हैं, इसी कारण उजैन, मध्यप्रदेश में जो कुंभ मनाया जाता है उसे सिंहस्थ कुंभ कहते हैं।

स्नान की तिथियां

13 जनवरी 2025	पौष पूर्णिमा
14 जनवरी 2025	मकर संक्रांति
29 जनवरी 2025	मौनी अमावस्या
03 फरवरी 2025	वसंत पंचमी
12 फरवरी 2025	माघ पूर्णिमा
26 फरवरी 2025	महाशिवरात्रि पर्व

चार प्रकार के होते हैं प्रमुख कुंभ मेले

कुंभः कुंभ का आयोजन प्रत्येक तीन वर्षों में होता है और ये मेला प्रयागराज, नासिक, हरिद्वार और उज्जैन में लगता है। इस तरह से 12 साल में 4 बार कुंभ मेला लगता है।

अर्धकुंभः अर्ध कुंभ का आयोजन प्रत्येक छह साल में एक बार होता है। इसका आयोजन बस प्रयागराज और हरिद्वार में ही होता है।

पूर्णकुंभः पूर्ण कुंभ मेले का आयोजन प्रत्येक 12 साल बाद होता है। यह क्रमशः प्रयागराज, नासिक, हरिद्वार और उज्जैन में लगता है। पूर्ण कुंभ के स्थान का निर्णय ज्योतिषीय गणना के आधार पर किया जाता है।

महाकुंभः महाकुंभ का आयोजन 144 सालों में सिर्फ एक बार होता है। सरल शब्दों में समझें तो 12 पूर्ण कुंभ के बाद एक महाकुंभ होता है। जो सिर्फ प्रयागराज में ही लगता है।

खास बातें

- महाकुंभ का आयोजन 12 साल में एक बार होता है और यह महाकुंभ 13 जनवरी 2025 से प्रयागराज के संगम पर हो रहा है।
- संगम को भारतीय धार्मिक स्थलों में सबसे पवित्र स्थानों में से एक माना जाता है, जहां स्नान करने से आत्मा की शुद्धि और मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- महाकुंभ मेला उन चार पवित्र स्थानों में से एक पर आयोजित होता है जहां पौराणिक कथा के अनुसार अमृत की बूंदें गिरी थीं।
- महाकुंभ का आयोजन तब होता है जब सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति एक विशेष ज्योतिषीय स्थिति में होते हैं, जिससे इसका धार्मिक महत्व बढ़ जाता है।

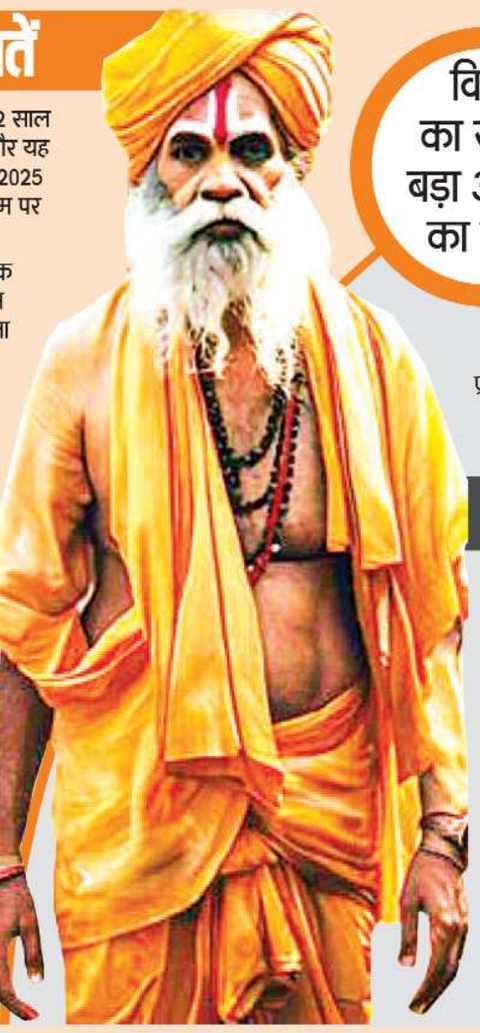

विश्व का सबसे बड़ा आस्था का मेला

महाकुंभ मेले में देश-विदेश के हर कोने से लोग संगम में डुबकी लगाने आते हैं। प्राचीन हिंदू ग्रंथों में लिखा है कि इसका आयोजन लगभग 2 हजार सालों से हो रहा है। इतना ही नहीं, कुंभ मेला हिंदू धर्म का महापर्व भी माना जाता है। ये तो हो गया धार्मिक महत्व, लेकिन ये धार्मिक महत्वता के साथ वैज्ञानिक महत्व भी रखता है। महाकुंभ मानव और ब्रह्मांड के बीच संबंधों का अद्भुत संगम है। महाकुंभ का आरंभ समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से जुड़ा है। इस कथा के अनुसार, देवताओं और असुरों ने अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया। अमृत कलश से गिरा अमृत चार स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में गिरा। यही स्थान कुंभ मेलों के आयोजन के केंद्र बने। 'कुंभ' शब्द स्वयं अमृत कलश का प्रतीक है, जो अमरता और आध्यात्मिक पोषण का प्रतीक है।

एस्ट्रोनॉमिकल घटनाएं

महाकुंभ का समय और आयोजन एस्ट्रोनॉमिकल घटनाओं पर आधारित है। यह मेला तब आयोजित होता है जब गुरु ग्रह, सूर्य और चंद्रमा के विशेष संयोग में होता है। गुरु का 12-साल का परिक्रमा चक्र और पृथ्वी के साथ इसकी विशेष स्थिति आयोजन को शुभ बनाती है। 2024 में, 7 दिसंबर को गुरु ग्रह अपने विरोधी स्थिति में था, जब पृथ्वी सूर्य और गुरु के बीच थी। इस स्थिति ने गुरु को रात के आकाश में अत्यंत चमकदार बना दिया। साथ ही शुक्र, शनि, गुरु और मंगल ग्रह की विशेष एस्ट्रोनॉमिकल घटनाएं रोमांच को और बढ़ाएगी। महाकुंभ का आयोजन प्राचीन भारतीय एस्ट्रोनॉमिकल साइंस की गहरी समझ को बताता है। आयोजन स्थल और समय दोनों को पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्रों और ग्रहों की स्थिति के आधार पर निर्धारित किया गया है। इससे पता चलता है कि हमारे पूर्वज एस्ट्रोनॉमिकल साइंस और जैविक प्रभावों की गहन जानकारी रखते थे।

कुंभ में स्नान का साइंस

साइंटिफिक रीजन से देखें कुंभ मेला मानव शरीर पर प्लेनेट्स और मैगनेटिक क्षेत्रों के प्रभाव को समझने का एक बढ़िया समय है। बायो-मैग्नेटिज्म के अनुसार, मानव शरीर चुंबकीय क्षेत्रों का उत्सर्जन करता है और बाहरी ऊर्जा क्षेत्रों से प्रभावित होता है। कुंभ में स्नान और ध्यान के दौरान महसूस की जाने वाली शांति और सकारात्मकता का कारण इन्हीं ऊर्जा प्रवाहों में है। इसके अलावा कुंभ मेला आयोजन स्थलों का चयन भू-चुंबकीय ऊर्जा के आधार पर किया गया है। ये स्थान, विशेषकर नदी संगम क्षेत्र, आध्यात्मिक विकास के लिए अनुकूल माने गए हैं। प्राचीन ऋषियों ने इन स्थानों पर ध्यान, योग और आत्मिक उन्नति के लिए उपयुक्त ऊर्जा प्रवाह का अनुभव किया और इन्हें पवित्र घोषित किया था।

महाकुंभ में घाटों का महत्व

प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन के कारण यह शहर हमेशा चर्चा का विषय बना रहता है। यहां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती का संगम होता है, जिससे प्रयागराज के घाटों का धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। यदि आप कुंभ मेले में जाने की योजना बना रहे हैं, तो इन प्रसिद्ध घाटों पर अवश्य समय बिताएं और किसी एक घाट पर स्नान कर पुण्य अर्जित करें।

दशाश्वमेध घाट

प्रयागराज का दशाश्वमेध घाट धार्मिक और पौराणिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि इस घाट पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वमेध यज्ञ का आयोजन किया था। महाकुंभ के समय, यह घाट गंगा आरती और भजन-कीर्तन के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। शाम को गंगा आरती के बाद, यहां आप स्थानीय व्यंजनों का स्वाद ले सकते हैं।

हांडी फोड़ घाट

प्रयागराज के प्राचीन घाटों में से एक, हांडीफोड़ घाट सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए जाना जाता है। यह घाट उन लोगों के लिए आदर्श है जो शांत लहरों और नदियों की मधुर ध्वनि का आनंद लेना चाहते हैं। यहां का वातावरण इसे और भी आकर्षक बनाता है।

बलुआ घाट

बलुआ घाट साधु-संतों की एकत्रितता का स्थल है। यहां का माहौल ध्यान और योग के लिए अनुकूल है, जिससे साधु-संत अपने प्रवचन और ध्यान के लिए इसे पसंद करते हैं। यह घाट भीड़-भाड़ से दूर स्थित है, जो इसे और भी विशेष बनाता है।

संगम घाट

महाकुंभ के समय संगम घाट आस्था और आकर्षण का प्रमुख स्थल माना जाता है। यहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों का संगम होता है, जो मोक्ष की प्राप्ति की इच्छा रखने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है। यहां स्नान करना यात्रियों के लिए एक प्रमुख आकर्षण है। इसके अलावा, नाव की सवारी के माध्यम से त्रिवेणी संगम का अद्भुत दृश्य देखने का अवसर भी मिलता है।

केदार घाट

कुंभ मेले के दौरान केदार घाट पर स्नान और भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। शिव भक्तों के लिए यह स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भगवान शिव को समर्पित है।

पुराणों में कुंभ की महिमा

स्कंद पुराण
माघे मासे गंगे स्नानं यः कुरुते नर
युगकोटिसहस्राणि तिष्ठंति पितृदेवता
अर्थातः माघ मास में गंगा में स्नान करने वाले व्यक्ति के पितर युगों-युगों तक स्वर्ग में वास करते हैं।

पद्म पुराण
त्रिषु स्थलेषु यः स्नायात प्रयागे च पुष्करे
कुरुक्षेत्रे च धर्मात्मा स याति परमं पदम
अर्थातः जो धर्मात्मा प्रयाग, पुष्कर और कुरुक्षेत्र में स्नान करता है, वह परम धाम को प्राप्त करता है।

गरुड़ पुराण
अग्निष्टोमसहस्राणि वाजपेयशतानि च
कुंभस्नानस्य कलां नार्हते षोडशीमपि
अर्थातः हजारों अग्निष्टोम और सैकड़ों वाजपेय यज्ञ भी कुंभ स्नान के सोलहवें भाग के बराबर नहीं हैं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण
प्रयागे माघमासे तु स्नात्वा पार्थिवमर्दन
सर्वपापैः प्रमुच्येत पितृभिः सह मोदते
अर्थातः माघ मास में प्रयाग में स्नान करने वाला व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो जाता है और उसके पितर भी प्रसन्न होते हैं।

अग्नि पुराण
कुंभे कुंभोद्भवः स्नात्वा प्रायच्छति हि मानवान
ततः परं न पापानि तिष्ठन्ति शुभकर्मणाम
अर्थातः कुंभ में स्नान करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है, और वह शुभ कर्मों की ओर अग्रसर होता है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जल सुरक्षा
- 37 हजार पुलिसकर्मी तैनात
- 14 हजार होमगार्ड के जवान घाटों पर तैनात
- 2 हजार 750 एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे
- 10 जोन, 25 सेक्टर,56 थाने एवं 155 चौकियां

अग्नि सुरक्षा
- 03 जल पुलिस स्टेशन
- 01 जल पुलिस कंट्रोल रूम
- 17 जल पुलिस सब कंट्रोल रूम

अग्नि सुरक्षा
- 50 फायर स्टेशन
- 20 फायर पोस्ट
- 50 फायर वॉच टावर
- 4300 फायर हाइड्रेंट
- 45 फायर रिजर्व वाटर टैंक

परिवहन व्यवस्था
- 7 हजार कुंभ स्पेशल बसें
- 550 शटल बसें
- 4 हजार हेक्टेयर में लगेगा मेला
- 1.50 लाख शौचालय
- 1.60 लाख टेंट

1954 से कुंभ में हाथी और संगम पर वीआईपी की एंट्री पर रोक

आजाद भारत का पहला कुंभ प्रयागराज में साल 1954 में लगा था।महीनों पहले इस कुंभ के आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई थीं। इस कुंभ में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद भी शामिल हुए थे। तत्कालीन पीएम जवाहर लाल नेहरू ने मौनी अमावस्या के दिन संगम के तट पर स्नान किया था। इसी दौरान एक हाथी के कंट्रोल से बाहर होने के बाद हादसा हुआ था। तभी से कुंभ में हाथी के आने पर रोक लगा दी गई थी। इतना ही नहीं इसी हादसे के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने मुख्य स्नान पर्वों पर वीआईपीज के संगम में जाने पर रोक का आदेश दे दिया था। आज भी अर्द्धकुम्भ, कुंभ और महाकुंभ के मुख्य स्नान पर्वों पर वीआईपीज की एंट्री पर रोक बरकरार है। आजादी के बाद प्रयागराज में लगे इस कुंभ में 12 करोड़ लोग शामिल हुए थे।

महाकुंभ में अखाड़ों की होती है विशेष भूमिका

आपने महाकुंभ के दौरान साधुओं के विशाल जत्थों को जरूर देखा होगा। इन जत्थों को अखाड़े कहा जाता है। अखाड़ा सिर्फ एक जगह नहीं बल्कि साधुओं का एक संगठन है जो धार्मिक अनुष्ठानों, सामाजिक कार्यों और हिंदू धर्म की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, आदि शंकराचार्य ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए कई संगठन बनाए थे। इन्हीं संगठनों को अखाड़े के नाम से जाना जाता है। अखाड़े शब्द का शाब्दिक अर्थ है 'कुश्ती का मैदान'। लेकिन धीरे-धीरे इसका अर्थ बदलकर साधुओं के संगठन के लिए होने लगा। महाकुंभ में अखाड़े एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे न केवल धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन करते हैं बल्कि समाज सेवा के कार्यों में भी लगे रहते हैं। महाकुंभ के दौरान अखाड़े के साधु संगठित होकर स्नान करते हैं और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं।

अखाड़ों के प्रकार

भारत में अखाड़ों की संख्या 13 है, जिन्हें मुख्य रूप से तीन संप्रदायों में बांटा जा सकता है।

शैव संप्रदायः ये अखाड़े भगवान शिव को अपना आराध्य देव मानते हैं। भारत में कुल 7 अखाड़े शैव संप्रदाय से जुड़े हुए हैं।

वैष्णव संप्रदायः ये अखाड़े भगवान विष्णु को अपना आराध्य देव मानते हैं। भारत में कुल 3 अखाड़े वैष्णव संप्रदाय से जुड़े हुए हैं।

उदासीन संप्रदायः ये अखाड़े किसी विशेष देवता की पूजा नहीं करते हैं, बल्कि सभी देवताओं को समान रूप से मानते हैं। भारत में कुल 3 अखाड़े उदासीन संप्रदाय से जुड़े हुए हैं।